www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष :08 | अंक :299 | मुंबई ,सोमवार , 21 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 35.c

28.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 95.770g

चांदी 78.800 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 वक्फ कानून पर विभाजनकारी राजनीति, मुर्शिदाबाद हिंसा की कल्पना नहीं थी

पत्नी और बेटी पर सोते वक्त तेजाब फेंका 04

मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार पर सत्ता के लिए राजनीतिक पाला बदलने का लगाया आरोप

बक्सर में खड़गे बोले-राहुल-प्रियंका गांधी को डराने की कोशिश हो रही; मोदी सरकार के 11 झूठ गिनाए

अपील

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, नीतीश कुमार और भाजपा के बीच गठबंधन अवसरवादी है। यह राज्य के लोगों के लिए अच्छा नहीं है। नीतीश कुमार सिर्फ कुर्सी (मुख्यमंत्री पद) के लिए पाला बदलते हैं। जदयू प्रमुख ने महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा से हाथ मिला लिया है। साथ ही खड़गे ने लोगों से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजग सरकार को सत्ता से बाहर करने की अपील की।

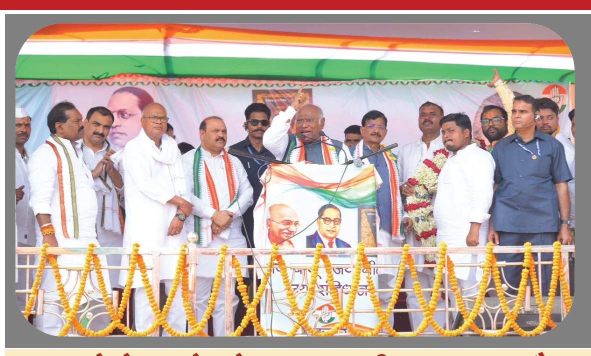

हमारे नेताओं को डराया नहीं जा सकता है

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट को लेकर खरगे ने कहा, यह कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए किया गया है. हमारे नेताओं को डराया नहीं जा सकता है. इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी.

बिहार के 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का क्या हुआ?

खरगे ने सवाल करते हुए कहा, बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के प्रधानमंत्री मोदी के वादे का क्या हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री झूठ की फैक्ट्री चला रहे हैं. खरगे ने दावा किया, बिहार के लोगों को नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 अगस्त 2015 को बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का जो वादा किया था, उसका क्या हुआ?

एजेंसी

बिहार। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को बिहार के बक्सर के दलसागर स्टेडियम में कांग्रेस की जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। खड़गे ने नीतीश पर सत्ता के लिए राजनीतिक पाला बदलने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं, खड़गे ने जेडीयू-बीजेपी गठबंधन को अवसरवादी करार दिया।कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, नीतीश कुमार और भाजपा के बीच गठबंधन अवसरवादी है। यह राज्य के लोगों के लिए अच्छा नहीं है। नीतीश कुमार सिर्फ कुर्सी (मुख्यमंत्री पद) के लिए पाला बदलते हैं। जदयू प्रमुख ने महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा से हाथ मिला लिया है।उन्होंने सवाल किया कि बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के प्रधानमंत्री मोदी के वादे का क्या हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री झूठ की फैक्टरी चला रहे हैं।खरगे ने दावा किया, बिहार के लोगों को नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 अगस्त 2015 को बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का जो वादा किया था, उसका क्या हुआ? मोदी जी झूठ की फैक्टरी चला रहे हैं। साथ ही खड़गे ने लोगों से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजग सरकार को सत्ता से बाहर करने की अपील की।नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हाल में दाखिल किये गये आरोपपत्र पर खरगे ने कहा, यह कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए किया गया है। हमारे नेताओं को डराया नहीं जा सकता है। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।

उद्धव-राज ठाकरे साथ आए तो खुशी होगी :फडणवीस

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश का दावा- राज को शिवसेना से उद्धव की पत्नी ने निकलवाया था

राउत ने रखी शर्त

शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि उद्धव एक शर्त पर राज से बात को तैयार हैं, अगर राज महाराष्ट्र और शिवसेना के दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें। वहीं, शिवसेना नेता नरेश म्हस्के ने उद्धव से पूछा कि जब उन्होंने खुद राज को पार्टी से अलग किया, तो अब एकजुटता की बात क्यों कर रहे हैं?

यह निजी स्वार्थ का मामला नहीं

राज ठाकरे ने कहा, मुझे नहीं लगता कि एक साथ आना और एक साथ रहना कोई बहुत कठिन बात है। सवाल केवल इच्छाशक्ति का है। यह मेरी निजी इच्छा या स्वार्थ का मामला नहीं है। मेरा मानना है कि हमें महाराष्ट्र की बड़ी तस्वीर देखनी चाहिए। मेरा मानना है कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों के मराठी लोगों को एक साथ आकर एक पार्टी बनानी चाहिए।

एजेंसी

मुंबई , मनसे चीफ राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के राजनीति में साथ आने की खबरों पर संजय राउत ने कहा कि अब तक गठबंधन नहीं हुआ है। अभी इमोशनल टॉक चल रही है। इससे पहले उन्होंने एक शर्त रखी थी। कहा था कि राज साहब को उद्धव के साथ आने के लिए अपने घर में दुश्मनों को रखना बंद करना होगा।इस बीच भाजपा नेता नितेश राणे ने रविवार को चौंकाने वाला बयान दिया। उन्होंने शिवसेना के प्रमुख उद्धव से सवाल किया कि क्या गठबंधन के लिए उन्होंने पत्नी रश्मि ठाकरे से परमिशन ली है।दरअसल, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे ने शनिवार को कहा था- उद्धव से राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं। महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर के यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कही थीं। उद्धव ने भी राज के बयान पर कहा था कि मेरी तरफ से कभी कोई झगड़ा नहीं था।शिवसेना नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि दोनों भाई हैं, लेकिन उनकी राजनीति अलग है। अगर साथ आना है तो आमने-सामने बात होनी चाहिए, टीवी पर नहीं।' 2005 में अलग हुए थे राज-उद्धव शिवसेना में उद्धव को उत्तराधिकारी घोषित किए जाने के बाद 27 नवंबर 2005 को राज ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।इसके बाद राज ने अपनी पार्टी 'महाराष्ट्र नव निर्माण सेना' बनाई थी। तब से दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे।

एकनाथ शिंदे के सत्ता में आने और एतराज की बात पर राज ने कहा, पहली बात तो यह कि शिंदे का जाना या विधायकों का टूटना राजनीति का अलग हिस्सा बन गया।

संक्षिप्त समाचार

बलरामपुर में सड़क हादसे में देवर-भाभी की मौत, दो बच्चे घायल

बलरामपुर जिले के जरवा थाना क्षेत्र में रविवार भोर में एक मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होकर पलट जाने से एक युवक और उसकी भाभी की मौत हो गयी जबकि दो बच्चे घायल हो गए। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) योगेश कुमार ने बताया कि कटकुइन्या गांव निवासी संजय (22) अपनी भाभी सुनीता (25) एवं उसके दो बच्चों? -- सुग्रीव (छह) एवं दो वर्षीय पीहू के साथ मेला देख कर मोटरसाइकिल से गांव लौट रहा था और चौहतर कला गांव के पासमोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाईमें पलट गयी।एएसपी ने बताया कि हादसे में मोटरसाइकिल सवार संजय की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि सुनीता एवं उसके दोनों बच्चे सुग्रीव तथा पीहू गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक केंद्र तुलसीपुर लाया गया। उनके मुताबिक, डॉक्टरों ने सुनीता को मृत घोषित कर दिया जबकि बच्चों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दलित युवक का अपहरण कर उसके शारीरिक व यौन उत्पीड़न का आरोप

सीकर जिले के फतेहपुर इलाके के 19 साल के एक दलित युवक ने आरोप लगाया है कि इस महीने की शुरूआत में दो स्थानीय लोगों ने उसका अपहरण कर लिया और उसके साथ बेरहमी से मारपीट पर उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के अनुसार यह घटना कथित तौर पर आठ अप्रैल को हुई थी। हालांकि बाद में परिवार को पता चलने पर इस बारे में 16 अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज करवाई गई। फतेहपुर के पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार ने कहा, हमने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पीड़ित की मेडिकल जांच करवाई गई है और बयान दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। भारतीय दंड संहिता और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार युवक अपने गांव में बारात देखने के लिए निकला था, तभी दो। आरोपियों ने उसे किसी काम के बहाने बस अड्डे पर बुलाया। उसने आरोप लगाया कि वे उसे एक सुनसान जगह पर ले गए, जहां उन्होंने उसके गुप्तांगों पर चोट मारी। उसे कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया और उसके साथ कुकर्म किया।

ममता ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर शांति की अपील की

ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर आरएसएस- बीजेपी को घेरने की कोशिश की. उन्होंने इन संगठनों पर विभाजनकारी राजनीत अपनाने का बड़ा आरोप लगाया

बीजेपी -आरएसएस पर लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा भड़कने के कुछ दिनों बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को एक सार्वजनिक अपील जारी कर नागरिकों से शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह किया. मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा में एक पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी. इस दौरान उन्होंने बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर बड़ हमला किया.उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सहित उसके सहयोगियों पर राजनीतिक लाभ के लिए अशांति भड़काने हेतु इस घटना का फायदा उठाने का आरोप लगाया. एक खुले पत्र में बनर्जी ने आरोप लगाया कि कुछ समूह 'दुर्भाग्यपूर्ण घटना का इस्तेमाल विभाजनकारी एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए' कर रहे हैं.उन्होंने कहा, 'बीजेपी और उसके सहयोगी अचानक पश्चिम बंगाल में बहुत आक्रामक हो गए हैं. इन सहयोगियों में आरएसएस भी शामिल है. ये ताकतें उकसावे पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पृष्ठभूमि का इस्तेमाल कर रही हैं. वे विभाजनकारी राजनीति खेलने के लिए पृष्ठभूमि का इस्तेमाल कर रहे हैं.' मुख्यमंत्री ने सांप्रदायिक सद्भाव और एकजुटता के महत्व पर जोर दिया.

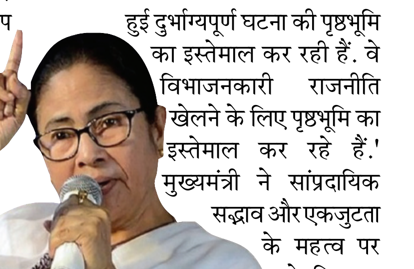

2027 के उप्र चुनावों में भी इंडिया गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

अखिलेश बोले- पूरे यूपी में एसओ एसएचओ सिंह भाई ज्यादा:डीजीपी भी कार्यवाहक होगा और सिंह होगा; इंडी गठबंधन हमेशा रहेगा

> सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी इंडिया गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे इंडिया गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, इंडिया गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं।

त्रिभाषा नीति, नीट के पीछे पूरा विचार किसी तरह तमिलनाडु में हिंदी थोपना है: उदयनिधि

विपक्ष के तत्कालीन नेता और द्रमुक के शीर्ष नेता करुणानिधि द्वारा हिंदी थोपे जाने के खिलाफ की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उदयनिधि ने कहा कि यह अब भी प्रासंगिक है।

एजेंसी

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा त्रिनीति, नीट (मेडिकल प्रवेश परीक्षा) और नयी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पीछे पूरा विचार किसी तरह तमिलनाडु में हिंदी को थोपना है। विद्यार्थियों से केंद्र की साजिश के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए उदयनिधि ने केंद्र सरकार पर नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) और त्रिनीति के जरिए तमिलनाडु में शिक्षा प्रणाली के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने चलाया अभियान, 16 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

> मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर पिछले 48 घंटों में कई प्रतिबंधित संगठनों के कुल 16 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है.

एजेंसी

इंफालः मणिपुर में पिछले 48 घंटों में कई प्रतिबंधित संगठनों के कुल 16 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के दो कार्यकर्ताओं को शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले से गिरफ्तार किया गया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे कथित तौर पर जबरन वसूली में शामिल थे.उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनबा) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया. अधिकारी ने बताया कि उसी दिन प्रतिबंधित केसीपी (एमएफएल) के दो सदस्यों को इंफाल पश्चिम जिले से गिरफ्तार किया गया, जो कथित तौर पर जबरन वसूली में भी शामिल थे.उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले से प्रतिबंधित प्रेपक (पीआरओ) के एक कैडर को गिरफ्तार किया. इसी क्रम में, प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक कैडर को इंफाल पूर्वी जिले से हिरासत में लिया गया.

मौसम विभाग का अलर्ट, पूर्वोत्तर भारत में बारिश की संभावना

उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में बढ़ेगा तापमान

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। मध्य भारत और गुजरात में अगले 24 घंटों में तापमान स्थिर रहेगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। पूर्वी भारत में अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

एजेंसी

भारतीय मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में फिर से लू चलने की आशंका जताई है। विभाग ने अगले पांच दिनों में पूर्वोत्तर भारत में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।मौसम विभाग का पूवार्नुमानभारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। मध्य भारत और गुजरात में अगले 24 घंटों में तापमान स्थिर रहेगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। पूर्वी भारत में अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

चेतावनी — जेपी नड्डा ने सांसदों को दी चेतावनी

निशिकांत दुबे के बयान से बीजेपी ने झाड़ा पल्ला

> भाजपा ने निशिकांत दुबे की टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसद के निजी विचार बताते हुए खारिज कर दिया है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनाझ्रदेना नहीं है।'

एजेंसी

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करके नया विवाद खड़ा कर दिया। अब पार्टी ने उनकी टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है।

पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसद के निजी विचार बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही नड्डा ने उन्हें भविष्य में इस तरह के बयान न देने की भी हिदायत दी है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनाझ्रदेना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है।' नड्डा ने यह भी कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं और अन्य लोगों को ऐसी टिप्पणियां न करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और उसके सुझावों एवं आदेशों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि एक दल के तौर पर उसका मानना है कि शीर्ष अदालत समेत सभी अदालतें लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनाझ्रदेना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयानझ्र निशिकांत दुबे ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सांसद ने कहा कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हमें हर मामले के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।

भाजपा सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि कोई भी संसद या राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता।

शर्मा ने कहा, 'भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी लोकसभा और राज्यसभा को निर्देश नहीं दे सकता और राष्ट्रपति ने पहले ही इस पर अपनी सहमति दे दी है। कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।'

दुबे और शर्मा के बयानों से खुद को अलग करने की भाजपा की कवायद डैमेज कंट्रोल : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, भारत के प्रधान न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। ये सांसद घृणा फैलाने वाले बयानों को बार बार दोहराते रहने के लिए कुख्यात हैं और जी2 अक्सर समुदायों, संस्थानों और व्यक्तियों पर हमले के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा उच्चतम न्यायालय की आलोचन किए जाने के बाद पार्टी को खुद से इससे अलग करने की कवायद को डैमेज कंट्रोल करार दिया और कहा कि सांसदों को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। विपक्षी दल ने यह भी जानना चाहा कि दोनों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई और उन्हें कारण बताओं नोटिस क्यों नहीं जारी किया गया। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पर दो सांसदों द्वारा की गई घृणित टिप्पणियों से निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष का दूरी बनाना कोई मायने नहीं रखता। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, भारत के प्रधान न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है। ये सांसद घृणा फैलाने वाले बयानों को बार बार दोहराते रहने के लिए कुख्यात हैं और जी2 अक्सर समुदायों, संस्थानों और व्यक्तियों पर हमले के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष का स्पष्टीकरण डैमेज कंट्रोल के अलावा कुछ नहीं है। इससे कोई मूर्ख नहीं बनेगा।

सम्पादकीय

हिंदी विरोध की राजनीति, सिद्ध होती भाषा की उपयोगिता

दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं ।तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। त्रिभाषा फामूर्ले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जिनके कार्यकर्ता उत्तर भारतीयों पर हमले करने के लिए कुख्यात हैं ।इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फामूर्ले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी के स्थान पर किस भाषा को पढ़ाया जाना चाहिए? तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है ।इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है ।दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है ।महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है ?हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे ? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे।

आज का विचार

पूरी दुनिया जीती जा सकती हैं संस्कार से,
और जीता हुआ भी हार जाते हैं अंहकार से

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि: दिन मीन राशि के जातकों के लिए उलझन भरा रहेगा. अकारण ही आपको काफी भागदौड़ करनी होगी जिससे मन परेशान होगा. किसी काम के पूरा न होने से आप निराश रहेंगे, लेकिन आपको अपनी वाणी और व्यवहार में संयम बनाए रखना होगा, अन्यथा परेशानी हो सकती है.

वृषभ राशि: सेहत के मामले में कल का दिन आपके लिए वृषभ राशि के लिए कमजोर रहने वाला है, इसलिए सेहत के प्रति आपको अनदेखी से बचना होगा. बिजनस में आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, लेकिन पार्टनरशिप के काम में कल दिक्कत होने की आशंका है इसलिए साझेदारी के काम कल शुरू न करें. किसी बात को लेकर आपका मन चिंतित रहेगा.

मिथुन राशि: दिन मिथुन राशि के लिए अत्यंत शुभ फलदायी रहने वाला है. आपको नया वाहन मिल सकता है. आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी मांगलिक उत्सव में भाग ले सकते हैं. बच्चों के साथ आपका तालमेल बढ़िया रहेगा और आप उनकी शिक्षा में सहयोग करेंगे. किसी नए काम में निवेश करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

कर्क राशि: कानूनी मामलों में कल का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए अच्छा रहने वाला है. आपको आय के नए स्रोत मिलेंगे. परिवार में लोग आपकी बातों का सम्मान करेंगे, जिससे आप संतुष्ट रहेंगे और कुछ खास करने की इच्छा प्रबल रहेगी.

सिंह राशि: दिन सिंह राशि के जातकों को अचानक लाभ वाला दिन रहेगा. लेकिन इन्हें कल वाहन चलाते समय सावधानी बरतनी होगी क्योंकि चोट और दुर्घटना होने की आशंका दिखती है.

कन्या राशि: कन्या राशि के सितारे बताते हैं कि कल का दिन आपके लिए कुछ उलझन वाला रहेगा. आप मानसिक उथल-पुथल की वजह से निर्णय लेन में परेशानी महसूस करेंगे. परिवार में आपसी कहासुनी के कारण माहौल अशांत हो सकता है.

तुला राशि: तुला राशि के लिए कल शुक्रवार का दिन लाभप्रद होगा और मान सम्मान में वृद्धि होगी. आपको वाहन सुख की प्राप्ति होगी, जो लोग वाहन खरीदने का प्लान कर रहे हैं उनके लिए कल का दिन इस मामले में अनुकूल रहेगा. परिवार के किसी सदस्य को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है जिससे वह नाराज हो सकता है.

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के सितारे कहते हैं कि कल का दिन आपके लिए तरक्की के रास्ते खोलेगा. कारोबार में मुनाफा मिलने से आपका मन आनंदित होगा. किसी की कही-सुनी बातों पर बहस में न पड़ें, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है. पैसों से जुड़ा कोई मामला आपको परेशान कर सकता है.

धनु राशि: धनु राशि के लिए सितारे कहते हैं कि कल का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है. बेवजह की परेशानी में पड़ने से बचना चाहिए और अपने काम से काम रखना चाहिए. दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करेंगे तो आपको परेशानी हो सकती है.

मकर राशि: आपके लिए उलझन भरा हो सकता है. किसी बात को लेकर आपका मन चिंतित रहेगा. आपको परिवार के किसी सदस्य से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है.

कुंभ राशि: दिन कन्या राशि वालों के लिए बेहतर रहने वाला है. बिजनेस में आपको पिछली योजनाओं का अच्छा फायदा मिल सकता है, जो आपकी खुशी का कारण बनेगा. यदि आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम आपको परेशान कर रहा था तो वह भी पूरा हो सकता है.

मीन राशि: दिन मीन राशि के लिए विलासिता की वस्तुओं में वृद्धि लेकर आने वाला है. आप अपने जीवन में कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं और वरिष्ठ सदस्य आपकी बातों से खुश होंगे. जीवनसाथी से कोई उपहार मिल सकता है. माता-पिता के आशीर्वाद से आप कल सफलता की ओर कदम बढाएंगे. बिजनस में कल कमाई आपकी अच्छी होगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वक्फ कानून पर विभाजनकारी राजनीति, मुर्शिदाबाद हिंसा की कल्पना नहीं थी

> **आम तौर पर वक्फ संशोधन कानून का विरोध या तो वे मुस्लिम नेता और संगठन कर रहे हैं जो वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करते थे या फिर वे राजनीतिक दल जो मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते हैं और वह भी उन्हें बरगलाकर और डराकर। पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों में वक्फ कानून के बहाने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति चमकाने की होड़ लगी है।**

संसद से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने और उसके कानून बनने के उपरांत पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भयावह हिंसा के चलते वहां से सैकड़ों हिंदुओं का पलायन बहुत ही शर्मनाक और चिंताजनक है ।इसकी तो आशंका थी कि कुछ मुस्लिम संगठन और राजनीतिक दल इस कानून के खिलाफ धरना–प्रदर्शन करेंगे, पर मुर्शिदाबाद सरीखी हिंदू विरोधी हिंसा की कल्पना नहीं थी ।यह हिंसा बंगाल सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करती है। मुर्शिदाबाद में दो हिंदुओं की घर से खींचकर हत्या भी की गई और बड़े पैमाने पर लूटपाट और आगजनी भी ।इसके कारण ही सैकड़ों लोग पलायन करके मालदा और झारखंड भागने को विवश हुए ।पता नहीं ये लोग अपने घरों को लौट सकेंगे या नहीं यदि लौटते हैं तो अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे या नहीं वक्फ कानून विरोधियों के उपद्रव को रोकने की कोई कोशिश करने के बजाय बंगाल सरकार जिस तरह हाथ पर हाथ रखकर बैठी रही, उसे तृणमूल कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की विभाजनकारी राजनीति ही कहा जाएगा ।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा से किस तरह मुंह मोड़ा, इसका पता इससे चलता है कि हिंसा के लिए उन्होंने विश्व हिंदू परिषद और सीमा सुरक्षा बल को जिम्मेदार ठहरा दिया ।उन्होंने केंद्र सरकार पर भी दोष मढ़ा। उनकी मानें तो यह हिंसा बंगाल सरकार को बदनाम करने के लिए की गई। हिंसा के कारण जिन लोगों को पलायन करना पड़ा, उनसे ममता बनर्जी ने लेशमात्र भी सहानुभूति नहीं

दिखाई। इसका पता इससे भी चलता है कि उन्होंने राज्यपाल से कहा कि वह पीड़ितों से मिलने मालदा न जाएं। वह उनके आग्रह की अनदेखी कर वहां गए और उन्होंने राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया, लेकिन अभी यह भरोसा नहीं कि हिंसा पीड़ितों को न्याय मिलेगा। वक्फ कानून के विरोध की आड़ में मुर्शिदाबाद और कुछ अन्य स्थानों में की गई हिंसा की सघन जांच जरूरी है ।इस हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को कठोर दंड का भागीदार बनाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही हिंसा पीड़ितों को पूरी राहत भी दी जानी चाहिए ।आखिर वक्फ बिल में ऐसा क्या है कि उसके विरोध के नाम पर हिंसा का सहारा लिया गया और अब भी हिंसा फैलाने की धमकियां दी जा रही हैं क्या यह किसी से छिपा है कि पुराने वक्फ कानून का विरोध अनेक मुस्लिम संगठन ही कर रहे थे वे ऐसा इसलिए कर रहे थे, क्योंकि वक्फ बोर्डों की मनमानी से अनेक मुस्लिम भी पीड़ित थे। इन वक्फ बोर्डों से मुसलमानों का कोई भला भी नहीं हो रहा था। आज ऐसे मुस्लिमों को खोजना कठिन है, जिन्हें वक्फ बोर्डों से किसी तरह की सहायता मिली हो ।इसके तमाम उदाहरण अवश्य हैं कि वक्फ बोर्ड पदाधिकारियों ने वक्फ संपत्ति बिल्डरों को बेच दी या फिर उसे मामूली किराए पर दे दिया। क्या इससे कोई इन्कार कर सकता है कि वक्फ संपत्तियों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हुआ हैइसी दुरुपयोग के कारण पिछले दिनों बोहरा मुसलमानों के एक संगठन ने प्रधानमंत्री से मिलकर वक्फ कानून में संशोधन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया ।इसके अलावा कई अन्य मुस्लिम समूहों ने वक्फ संशोधन कानून की प्रशंसा की। केरल के ईसाई संगठनों ने भी इस कानून को सराहा है। वक्फ कानून के विरोधी इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वक्फ बोर्ड किस तरह गांव के गांव की जमीन पर दावा कर दिया करते थे। इसका जिक्र ससंद में भी किया गया और उच्चतम न्यायालय में भी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि अभी हाल में तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गुजरात, बिहार आदि में वक्फ बोर्डों के मनमाने दावों से परेशान लोग खुद को वक्फ बोर्डों से बचाने की गुहार लगाते हुए सामने आए। वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद में बहस के दौरान ऐसे आंकड़े दिए गए थे कि वक्फ कानून में 2013 में किए गए बदलाव के बाद किस तरह वक्फ संपत्ति में अनाप–शनाप वृद्धि दर्ज की गई ।आम तौर पर वक्फ संशोधन कानून का विरोध या तो वे मुस्लिम नेता और संगठन कर रहे हैं, जो वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करते थे या फिर वे राजनीतिक दल, जो मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते हैं और वह भी उन्हें बरगलाकर और डराकर। पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों में वक्फ कानून के बहाने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति चमकाने की होड़ लगी है। वे इस झूठ के सहारे मुसलमानों को बरगलाने के साथ उकसा रहे हैं कि नया वक्फ कानून उनकी मस्जिदें और कब्रिस्तान छीनने का काम करेगा। नए वक्फ कानून में कमियां निकालने की होड़ में उसे संविधान विरोधी, मुस्लिम विरोधी वगैरह तो बताया जा रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है कि संविधान विरोधी तो 1995 और 2013 का वक्फ कानून था ।वक्फ कानून आजादी के बाद 1954 में ही बन गया था। समय–समय पर उसमें बदलाव कर वक्फ बोर्डों के अधिकार बढ़ाए गए, लेकिन उनकी संपत्तियों के दुरुपयोग के चलते मुसलमानों का कोई भला नहीं हुआ। आखिर क्या कारण है कि वक्फ बोर्डों के पास अरबों रुपये की जमीन होते हुए भी मुस्लिम समुदाय में गरीबी और अशिक्षा सबसे अधिक है मुसलमानों को यह समझने की जरुरत है कि कथित मुस्लिम हितैषी राजनीतिक दल उनके वोट हासिल करने के लिए उनका भला करने के स्थान पर उनका तुष्टीकरण कर रहे हैं। उन्हें यह भी समझना होगा कि किसमें उनकी भलाई है और किसमें नहींयदि मुसलमान भाजपा को सिर्फ एक हिंदूवादी दल के रुप में देखकर अपने हित के लिए उठाए गए कदमों की अनदेखी करेंगे तो अपना नुकसान ही करेंगे। क्या वे इसकी अनदेखी कर सकते हैं कि तीन तलाक विरोधी कानून मुस्लिम महिलाओं की भलाई के लिए लाया गया था और इससे उनका सचमुच भला हुआ भी कोई भी कानून पूर्णतया सही नहीं होता। यदि संशोधित वक्फ कानून में कोई खामी होगी तो उसे उच्चतम न्यायालय दूर कर देगा। मुसलमानों को न केवल उच्चतम न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए, बल्कि वक्फ बोर्डों के कामकाज पर निगरानी भी बढ़ानी चाहिए, ताकि वक्फ संपत्तियों का सदुपयोग हो और गरीब मुसलमानों का भला हो। उन्हें वक्फ कानून पर विभाजनकारी राजनीति करने वालों से सतर्क भी रहना होगा।

शिक्षा में पूर्वाग्रह और बाल मन

विजय गर्ग

कर्नाटक के चामराजनगर की रहने वाली चौथी कक्षा की एक बच्ची ने विज्ञान प्रदर्शनी में एक ऐसा ह्यप्रोजेक्टह्ल बनाया, जिसमें एक संदेश था कि जो औरत एक खास परिधान पहनती है, वह जन्नत की हकदार है और जो नहीं पहनती, वह नरक में सांप-बिच्छुओं की दावत बनती है। ऐसे में यह घटना हमारी शिक्षा प्रणाली की जड़ों में पैठ बना चुके पूर्वाग्रहों की भयावह तस्वीर पेश करती है। विज्ञान प्रदर्शनी में एक बच्ची का धार्मिक कट्टरता से प्रेरित माडल केवल उसकी कल्पना नहीं, बल्कि उस माहौल का नतीजा है, जिसमें उसे ढाला गया है। सवाल यह नहीं है कि यह विचार उसके मन में आया कैसे, बल्कि यह है कि आखिर उसकी सोच को इस दिशा में मोड़ा किसने?

क्या यह उस शिक्षा का परिणाम है, जो हमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करती है या फिर यह उस समाज की देन है, जो बच्चों की कोमल चेतना में भी अंधविश्वास और दंड के भय को ठूंस देता है? आश्चर्य की बात है कि यह सब खुलेआम हो रहा है और शिक्षा तंत्र को इसकी भनक तक नहीं। अगर इस माडल का वीडियो चर्चा में न आता, तो क्या प्रशासन जागता? क्या स्कूल की जिम्मेदारी तय होती? यह स्थिति हमारी शिक्षा प्रणाली की लचर निगरानी और जवाबदेही की पोल खोलती है। शिक्षा का उद्देश्य तो बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, तर्क करने और विवेकशील बनने के लिए प्रेरित करना होना चाहिए।

केवल पुस्तकों में लिखी बातें रटाना नहीं है शिक्षा का उद्देश्य

शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकों में लिखी बातें रटाना नहीं, बल्कि बच्चों में स्वतंत्र सोचने और तर्क करने की क्षमता विकसित करना होता है, लेकिन जब शिक्षा प्रणाली ही धार्मिक पूर्वाग्रहों

और सामाजिक कुरीतियों का माध्यम बनने लगे, तो यह न केवल बच्चों के मानसिक विकास को बाधित करता, बल्कि समाज के भविष्य को भी अंधकारमय बना देता है। यूनिसेफ की 2023 की रपट के अनुसार, दुनियाभर में 70 फीसद बच्चे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों से प्रभावित होते हैं। भारत में 2021 की राष्ट्रीय शैक्षिक नीति रपट बताती है कि बड़ी संख्या में स्कूलों में बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अधिक धार्मिक पृष्ठभूमि की शिक्षा दी जाती है। कर्नाटक की घटना इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है, जहां एक मासूम बच्ची को अंधविश्वास में जकड़ दिया गया।

म्यांमा में लोकतंत्र की मुश्किल राह, सैन्य सरकार स्वीकार कर सकती है भारत की मध्यस्थता

एक अध्ययन के अनुसार, 8-14 वर्ष की उम्र के 65 फीसद बच्चे परिवार से धार्मिक मान्यताएं अपनाते हैं, जो उनकी स्वतंत्र सोच पर प्रभाव डालती हैं। यह उस सामाजिक अनुकूलन का नतीजा है, जो धर्म के नाम पर बच्चों की सोच को सीमित कर देता है। शिक्षा का असली उद्देश्य बच्चों के मन में सवालों को जन्म देना है, न कि उन्हें ऐसे अंधविश्वासों से भर देना, जो उनके आत्मनिर्णय की क्षमता को खत्म कर दें ।भारत जैसे विविधता वाले देश में, जहां महिलाओं को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की स्वतंत्रता है, वहां धार्मिक कट्टरता की जड़ें इतनी गहरी कैसे जम रही हैं? एक ओर ईरान में महिलाएं संघर्ष कर रही हैं, तो दूसरी ओर भारत के कुछ हिस्सों में इसे धर्म की पहचान के रूप में थोपा जा रहा है। विडंबना यह है कि जिन बच्चियों को अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की समझ होनी चाहिए, उन्हें पहले से ही यह सिखाया जा रहा है कि धर्म के नाम पर कुछ विशेष पहनावे ही शुद्धता का प्रमाण हैं। कोई भी परिधान पहनना किसी की निजी पसंद हो सकता है, लेकिन जब यह डर और धार्मिक पूर्वाग्रह के साथ जोड़ा जाता है, तब यह महज कपड़ों की बात नहीं रहती, बल्कि एक मानसिक जकड़न का रूप ले लेती है। जिस उम्र में बच्चों को तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की शिक्षा दी जानी चाहिए, उसी उम्र में उनके दिमाग में यह भरना कि खास परिधान न पहनने वाली औरतें ह्यनापाकह्ल होती हैं, यह दर्शाता है कि सांप-बिच्छू से ज्यादा जहरीला विष समाज बच्चों के मन में घोल रहा है।

अन्य देशों में भी धर्म और शिक्षा के बीच टकराव

धर्म और शिक्षा के टकराव का यह मामला अकेले भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका में विकासवाद बनाम सृजनवाद की बहस हो, फ्रांस में हिजाब प्रतिबंध का मुद्दा हो या अफगानिस्तान में लड़कियों की शिक्षा पर पाबंदी, हर जगह धार्मिक विचारधारा और शिक्षा का संघर्ष साफ नजर आता है। चीन में तो सरकार स्वयं शिक्षा प्रणाली को नियंत्रित कर यह तय करती है कि बच्चों को क्या सोचना चाहिए और क्या नहीं ।विडंबना यह है कि जो शिक्षा व्यक्ति को स्वतंत्र विचारक बनाती है, वही अब पूर्वाग्रहों की जननी बन रही है। इसीलिए स्कूलों को ऐसी किसी भी शिक्षा से दूर रखना जरूरी है, जो बच्चों को पूर्वाग्रहों से भर दे। उन्हें स्वतंत्र रूप से सोचने, सवाल करने और नए विचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। राज्य सरकारों और शिक्षा नीति निमार्ताओं की भी इसमें अहम भूमिका होनी चाहिए। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह बच्चों को तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर देने वाली होनी चाहिए। जब तक शिक्षा में धार्मिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों का अंत नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र और तार्किक सोच रखने वाली पीढ़ी का निर्माण संभव नहीं होगा।

डिजिटल अर्थव्यवस्था ने उपलब्ध कराए रोजगार के नए अवसर, ऑनलाइन व्यापार के समक्ष कई चुनौतियां और खतरे

अब सवाल यह उठता है कि इस समस्या का समाधान क्या है? सबसे पहले, स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा प्रणाली में किसी भी प्रकार के धार्मिक या सांस्कृतिक पूर्वाग्रह की जगह न हो। शिक्षकों को भी इस बात के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने और सवाल करने के लिए प्रेरित करें। अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को धार्मिक कट्टरता से दूर रखते हुए उन्हें विवेकशील और तर्कशील बनाने का प्रयास करें।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बाद अब ब्लॉकचेन वोटिंग सिस्टम की सुगबुगाहट

(डॉ. राघवेन्द्र शर्मा)

वैश्विक स्तर पर स्थापित सत्य है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। एक ऐसा देश जहां लगभग डेढ़ अरब लोग निवास करते हैं। जनसंख्या के लिहाज से यह इतना बड़ा आंकड़ा है कि भारत का एक-एक शहर अपने भीतर एक से अधिक राष्ट्र समाहित कर लेने की हद तक फैला हुआ है। फिर भी हमारे देश के नागरिक बेहद आधुनिक चुनाव पद्धति के माध्यम से ग्रामीण, शहरी, जनपदीय, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भली भांति हर प्रकार की सरकारों का गठन लोकतांत्रिक प्रणाली से कर रहे हैं। आज जब स्वयं को विकासशील और विकसित कहने वाले अनेक राष्ट्र मतपत्र आधारित चुनाव प्रणाली में ही उलझे हुए हैं,तब हमारा भारत देश अत्याधुनिक चुनाव प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तक का सफर तय कर चुका है। एक जमाना ऐसा था जब हमारे यहां भी मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया व्यवहार में लाई जाती थी। लेकिन इस देश ने और देश के चुनाव आयोग ने मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया अपनाते हुए अनेक प्रतिकूल, बेहद खतरनाक परिणाम भी देखे। कई दशकों तक येन केन प्रकारेण सत्ता पर काबिज बने रहने अथवा सत्ता पर काबिज होने के लिए मतदान प्रणाली की सात्विकता का हरण किया जाता रहा। जिसकी लाठी उसकी भैंस की तर्ज पर अनेक अवसरवादी, सत्ता लोलुप और नैतिकता से लगभग नाता तोड़ चुके घाघ राजनेता बूथ कैप्चरिंग करते रहे। नकली मत पेटियों से असली मत पेटियां बदली जाती रहीं। चुनावी टीम को एक प्रकार से अपहृत करते हुए मनपसंद उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह पर यंत्रवत ठप्पे लगाए जाते रहे। इस पाप पूर्ण कृत्य का विरोध करने पर जागरूक मतदाताओं, चुनाव कराने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों, पत्रकारों को मौत के घाट उतारा जाता रहा। फल स्वरुप एक समय ऐसा भी आया जब गांव की पंचायत से लेकर देश की लोकसभा तक, विभिन्न सदनों में, बाहुबल के बल पर जीत कर आए, आपराधिक पृष्ठभूमि के जनप्रतिनिधियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ गई। जब देश के विभिन्न भागों में भिन्न-भिन्न चुनाव रक्त रंजित होने लगे, तब देश के प्रबुद्ध वर्ग को चिंता हुई? ।यह विमर्श किए जाने लगे कि ऐसा क्या किया जाए, जिससे चुनाव में रक्तपात ना हो। निर्वाचित होकर भी वही लोग सदन में पहुंचे मतदाता जिन्हें स्वेच्छा से चुनना चाहते हों। तब देश के सामने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का विकल्प सामने आया। तमाम अध्ययनों के बाद, कोई खामी शेष न रह जाए यह सुनिश्चित करने के बाद, अपराधी किस्म के नेता बूथ कैप्चरिंग ना कर पाएं यह संतुष्टि करने के बाद, अंततः देश ने ईवीएम यानि कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली को अपना लिया। इस प्रकार वर्ष 1982 में केरल राज्य के उत्तरी पारावुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पहली बार ईवीएम आधारित चुनाव प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। यह चुनाव उम्मीद से कहीं आगे जाकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के परिणाम भी पारंपरिक मत पत्रों पर आधारित चुनाव प्रणाली की अपेक्षा बहुत जल्दी प्राप्त हो गए। अपवाद स्वरूप प्राप्त बेहद सीमित आपत्तियों के अलावा कोई उल्लेखनीय खामी सामने नहीं आई, जिसके चलते इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया। बाद में जब विधानसभाओं और लोकसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रयोग शुरू हुआ तो इसकी पारदर्शिता और सात्विकता पर अनेक उंगलियां उठीं। फल स्वरुप देश के चुनाव आयोग ने राज्यसभा, लोकसभा, विभिन्न प्रांतो की विधानसभाओं के अलावा कलेक्टरेटों में, और जहां तक संभव हो सकता था वहां तक इन मशीनों का प्रदर्शन किया।

'क्या कानून का राज खत्म हो गया है', अवैध निर्माण पर बॉम्बे बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार

- सिडको को सरपंच ने दी थी धमकी
- 2016 में दंपति ने दाखिल की थी याचिका
- पुलिस को सुरक्षा देने के निर्देश दिए गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। नवी मुंबई में एक भूखंड पर अवैध कब्जे के मामले में सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य द्वारा संचालित नगर नियोजन एजेंसी सिडको को कड़ी फटकार लगाए। अदालत ने कहा कि राज्य में कानून का शासन है भी या नहीं।ये मामला 2016 का है। एक दंपति ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर सिडको को नवी मुंबई में उनकी जमीन पर दीपक पाटिल द्वारा बनाए गए अनधिकृत ढांचों को ध्वस्त करने का निर्देश देने की मांग की थी। इसमें कहा गया था कि उनके स्वामित्व वाली 123 वर्ग मीटर जमीन पर अवैध ढांचों (दुकानों) का निर्माण किया गया है।सिडको ने लगाया था धमकाने का आरोपइसके बाद अदालत ने सिडको को एक सप्ताह के भीतर जमीन पर किए गए गैरकानूनी निर्माण हटाने का निर्देश दिया था। लेकिन सिडको ने कहा कि जब उन्होंने अवैध निमार्णों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की, तो उन्हें बोकाडवीरा गांव के सरपंच ने धमकाया। पहले सिडको की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) के अधिकारी अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।कोर्ट ने सुरक्षा देने की मांग की अदालत ने अब कहा है कि अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का पालन करते हुए पर्याप्त पुलिस सुरक्षा पाने के हकदार हैं और अवैध कार्यों को रोकना और कानून का शासन स्थापित करना अधिकारियों का कर्तव्य है।

उद्धव-राज ठाकरे के साथ आने की चर्चा, पत्रकार के सवाल पर भड़के एकनाथ शिंदे

> राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच फिर से गठबंधन की संभावना है। क्योंकि दोनों तरफ से सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। जब एक पत्रकार ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस बारे में सवाल पूछा तो वह पत्रकार पर काफी नाराज नजर आए।

- राज-उद्धव में सुलह की संभावना, शर्तें रखी गई
- मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्वागत किया
- प्रतिक्रिया मांगने पर भड़के एकनाथ शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र की राजनीति में निकट भविष्य में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच दरार खत्म होने की संभावना है। क्योंकि दोनों नेताओं ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हालांकि उद्धव ठाकरे की पार्टी ने गठबंधन के लिए राज ठाकरे पर शर्तें रखी हैं। उद्धव ठाकरे ने शर्त रखी है कि राज ठाकरे बीजेपी और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को गुप्त रूप से समर्थन न दें। दोनों नेता फिलहाल वेट और वॉच की भूमिका में नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर राज-उद्धव के एक साथ आने की संभावना पर अलग-अलग राजनीतिक नेताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। फडणवीस ने जताई खुशीमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर दोनों नेता एक साथ आते हैं तो उन्हें खुशी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर वे एक साथ आते हैं तो हम उनका स्वागत करेंगे। सांसद सुप्रिया सुले ने भी गहरी खुशी जताई है। फिलहाल ठाकरे गुट और मनसे नेताओं के बीच शर्तों को लेकर मौखिक टकराव चल रहा है। फिर भी ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे सकारात्मक नजर आती दिखीं। इससे भविष्य में ठाकरे बंधुओं के बीच दरार खत्म हो सकती है।

अजित पवार ने क्या कहा?

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी ठाकरे बंधुओं के एक साथ आने की खबर पर प्रतिक्रिया दी है। अजित पवार ने कहा कि अगर दोनों भाई एक साथ आ रहे हैं। तो किसी को भी दुखी होने की कोई वजह नहीं है। दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले लेंगे। किसी तीसरे पक्ष की प्रतिक्रिया की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें जो सही लगे, वह फैसला लेना चाहिए।

एकनाथ शिंदे भड़के

वहीं जब टीवी9 मराठी के पत्रकार ने महाराष्ट्र के दूसरे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ आने को लेकर सवाल पूछा तो एकनाथ शिंदे काफी नाराज हो गए। 'अरे चलो यार। क्या बात कर रहे हो...एकनाथ शिंदे ने इस तरह अपना गुस्सा जाहिर किया।

राज ठाकरे को जवाब देने से पहले उद्धव ने पत्नी से परमिशन ली थी क्या? बीजेपी नेता नितेश राणे का तीखा सवाल

- नितेश राणे ने उद्धव और राज ठाकरे की सुलह पर उठाए सवाल
- राज और उद्धव के बीच संभावित सुलह की चर्चाएं तेज
- राणे ने कहा, शिवसेना-मनसे के गठबंधन से चिंतित नहीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता नितेश राणे ने रविवार को राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने की खबरों को तीखी प्रतिक्रिया दी है। नितेश राणे ने सवाल किया कि क्या शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के उस बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले पत्नी रश्मि ठाकरे से सलाह ली थी। इससे दोनों चचेरे भाइयों के बीच सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल पिछले कुछ दिन पहले राज और उद्धव ने संभावित सुलह की अटकलों को हवा दी है और ऐसे बयान दिए हैं जिनसे संकेत मिलता है कि वे मामूली मुद्दों को नजरअंदाज करके महाराष्ट्र और मराठी 'मानुष' के हित में हाथ मिला सकते हैं।

रश्मि ठाकरे पर लगाया गंभीर आरोप

नितेश राणे ने एक हिंदी समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि आपको उद्धव ठाकरे से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने मनसे के साथ हाथ मिलाने से पहले रश्मि ठाकरे की अनुमति ली है। ऐसे फैसलों में उनकी राय अधिक मायने रखती है। मंत्री ने आरोप लगाया कि यह रश्मि ठाकरे ने ही राज ठाकरे को शिवसेना से बाहर निकालने में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि उस समय दोनों चचेरे भाइयों के बीच कोई बड़ा मतभेद नहीं था।

'हम किसी गठबंधन से चिंतित नहीं'

शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की संभावना पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति ने जोरदार जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि इसलिए हम उनके बीच किसी गठबंधन को लेकर चिंतित नहीं हैं।उद्धव-राज में कैसी सुलहदरअसल मनसे नेता राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच संभावित राजनीतिक सुलह की चर्चा है। इन चचाओं को उस समय बल मिला, जब दोनों के बयानों से संकेत मिला कि वे मामूली मुद्दों को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक के अलगाव के बाद हाथ मिला सकते हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि उनके पिछले मतभेद मामूली हैं और मराठी मानुष के व्यापक हित के लिए एकजुट होना कोई मुश्किल काम नहीं है।

भरोसेमंद नहीं उद्धव ठाकरे, गठबंधन की चर्चा पर एमएनएस मुंबई चीफ संदीप देशपांडे ने राज ठाकरे को चेताया

- संदीप देशपांडे ने उद्धव ठाकरे पर भरोसा न करने की बात कही
- मनसे ने पूर्व में उद्धव का समर्थन किया, लेकिन निराशा ही हाथ लगी
- गठबंधन के फैसले का अंतिम निर्णय राज ठाकरे लेंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच गठबंधन की अटकलें जारी हैं। कहा जा रहा है राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के इसी बात बन सकती है। इसी बीच मुंबई अध्यक्ष संदीप देशपांडे का बयान सामने आया है। संदीप देशपांडे ने उद्धव ठाकरे पर भरोसा न करने की बात कही और पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। संदीप देशपांडे ने कहा कि 2012 और 2014 में हमने उद्धव ठाकरे का समर्थन किया। हम अपना ए-बी फॉर्म रोककर उनके साथ खड़े हुए, लेकिन उद्धव जी ने हमारा फोन तक नहीं उठाया। साल 2017 में भी गठबंधन की चर्चा हुई, तब भी उन्होंने यही रवैया अपनाया।

'भरोसा नहीं किया जा सकता'

मनसे ने पहले भी उद्धव ठाकरे का समर्थन किया, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी। वह पहले भाजपा की आलोचना करते थे, फिर उनके साथ चुनाव लड़े और बाद में शरद पवार और कांग्रेस के साथ चले गए। अब शायद उन्हें महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में अपनी गलती का अहसास हुआ है, लेकिन क्या उन पर भरोसा किया जा सकता है ?

'महाराष्ट्र के दुश्मन'

देशपांडे ने उद्धव ठाकरे की नैतिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो लोग हमारे साथ शर्तें रखने की बात करते हैं, क्या उनकी नैतिकता बची है ? जिन्हें वे अब महाराष्ट्र का दुश्मन कहते हैं, क्या वे पहले दुश्मन नहीं थे ? अगर उद्धव ठाकरे ढाई साल तक मुख्यमंत्री रहे होते तो क्या भाजपा उनकी दुश्मन होती ?

'किसी के सामने नहीं झुकेंगे'

मनसे नेता ने यह भी कहा कि उद्धव ठाकरे ने एमवीए से बाहर आने के सवाल पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन मनसे को बीजेपी से दूर रहने की सलाह दी। ऐसे लोगों पर भरोसा कैसे करें ? संदीप देशपांडे ने साफ किया कि उनकी पार्टी ने हमेशा अपने दम पर चुनाव लड़ा है और किसी के सामने झुकी नहीं। उन्होंने कहा कि बिना चुनाव के भी अगर कोई सामान्य मुद्दा हो, तो हम साथ आ सकते हैं, लेकिन उद्धव ठाकरे पर भरोसा करना मुश्किल है। हमारी जीभें पहले ही जल चुकी हैं।

फास्ट ट्रैक

महाराष्ट्र का ऐसा गांव जहां 'हर घर सोल्जर', सेना की सेवा में कई पीढ़ियां

- मिलिट्री आपशिंगे गांव की सेना में भर्ती की पुरानी परंपरा है
- राज्य सरकार ने गांव के विकास के लिए एक करोड़ रुपये दिए हैं
- नया युद्ध स्मारक और लर्निंग सेंटर का नवीनीकरण होगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे : मुंबई-बेंगलुरु हाईवे के पास एक छोटा सा गांव है। इ गांव का नाम है मिलिट्री आपशिंगे। इस गांव की एक पुरानी परंपरा है। यहां लगभग 300 परिवार हैं और हर परिवार से कम से कम एक सदस्य सेना में जरूर जाता है। यह परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। यह गाव सतारा जिले के कराड तहसील में है और पुणे से लगभग 130 किलोमीटर दूर है।

राज्य सरकार ने दिए एक करोड़

अब, इस गांव की विरासत को बचाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 1 करोड़ रुपये दिए हैं। इससे गांव में कई तरह के सुधार कार्य किए जाएंगे। लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर्ड) सतीश हांगे सतारा के जिला सैनिक कल्याण अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने लोक निर्माण विभाग से एक पूरी योजना बनाने के लिए कहा है।

लर्निंग सेंटर का नवीनीकरण

उन्होंने कहा, 'हमें पहले ही 55 लाख रुपये मिल चुके हैं। हम ब्रिटिश काल के युद्ध स्मारक और 2023 में युवाओं को सेना में भर्ती होने में मदद करने के लिए बने एक लर्निंग सेंटर का नवीनीकरण करेंगे। हमने अनुभवी सैनिकों और ग्रामीणों से सलाह ली है। मई में काम शुरू होने की उम्मीद है।'

गांव के युवाओं ने विश्व युद्धों में लड़ाई लड़ी

गांव के लोग बचपन से ही युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनका कहना है कि अगर उन्हें जरूरी सुविधाएं मिलें तो यह काम और भी आसान हो जाएगा। ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) मोहन निकम आपशिंगे मिलिट्री ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष हैं। उनके पूर्वजों ने ब्रिटिश भारतीय सेना में काम किया था। उन्होंने दोनों विश्व युद्धों में लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि एक नया युद्ध स्मारक बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस पर नए नाम लिखेंगे ताकि उनकी कुर्बानियों को याद रखा जा सके। यह हर परिवार के लिए गर्व का क्षण होगा।

मालिक से नाराज सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने किडनैप कर लिया पेट डॉग, अब तलाशने में जुटी मुंबई पुलिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : जुहू इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां सिक्योरिटी सुपरवाइजर राजेंद्र पंढारकर ने अपने मालिक से अजीब तरह का बदला लिया। मालिक ने सैलरी में कटौती की थी। नाराज सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने मालिक के 14 साल के पालतू डॉग प्रिक्सी का किडनैप कर लिया। मामला मुंबई पुलिस तक पहुंचा। जुहू पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल वह फरार है।प्रिक्सी पोमेरेनियन नस्ल का है। वह मुंबई के जुहू की एक इमारत में रहने वाले अदिति जोशी के परिवार का प्यारा सदस्य है। पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय पंढारकर एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में सुपरवाइजर था और उसकी मासिक सैलरी 25,000 रुपये थी।मालिक ने काटे 4000 रुपयेपिछले महीने कॉन्ट्रैक्टर के साथ विवाद के बाद अदिति जोशी ने पंढारकर की सैलरी से 4,000 रुपये काट लिए गए। नाराज पंढारकर ने कॉन्ट्रैक्टर से कई बार बात की, लेकिन जब बात नहीं बनी। मालिक के बर्ताव से नाराज पंढारकर ने प्रिक्सी को अगवा करने की साजिश रची।रोज की तरह टहलाने ले गयाघटना 15 अप्रैल की सुबह 8 बजे की है।

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा लोको पायलटों की कार्य स्थितियों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास

वातानुकूलित लोको, उन्नत प्रशिक्षण, और बेहतर कार्य वातावरण के साथ लोको पायलटों के लिए सुविधा संपन्न वातावरण का निर्माण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । भारतीय रेलवे के समर्पित लोको पायलट भारतीय रेल परिचालन व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो देशभर में यात्री एवं मालगाड़ियों को सुरक्षित, समयबद्ध एवं कुशलता से उनके गंतव्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इनके कार्य वातावरण को और अधिक सहज, सुरक्षित और सुविधा युक्त बनाने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा अनेक पहलें की जा रही हैं, जिसमें पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) अग्रणी भूमिका निभा रहा है।वर्ष 2024-25 के दौरान पश्चिम मध्य रेलवे ने लोको पायलटों की सुविधा के लिए 27 और लोकोमोटिव्स में वातानुकूलन सुविधा प्रदान की है। इस प्रकार, मार्च 2025 तक कुल 562 लोको को एयर कंडीशनर से सुसज्जित किया जा चुका है। यह सुविधा न केवल गर्मी में राहत देती है, बल्कि लंबे समय तक ट्रेनों का संचालन करते समय ड्राइवर की एकाग्रता और दक्षता को भी बनाए रखती है। रेलवे द्वारा लोकोमोटिव्स की केबिनों को एर्गोनॉमिक सीटों और आधुनिक तकनीकों से युक्त कर उन्हें क्रू फ्रेंडली बनाया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे के तहत 858 लोकोमोटिव्स को क्रू-फ्रेंडली कैबिन के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत कार्य जारी है।लोको पायलटों की दक्षता और प्रतिक्रिया समय को बेहतर बनाने के लिए सिम्युलेटर आधारित प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। रनिंग स्टाफ के लिए विशेष सुरक्षा सेमिनार, परिवारों के साथ संवाद और परामर्श शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उनके मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सतर्कता में सुधार हो सके।भारतीय रेलवे के सभी नए लोकोमोटिव्स में शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है और पुराने इंजनों में रेट्रोफिटिंग के माध्यम से यह सुविधा जोड़ी जा रही है। डिजाइन में आवश्यक संशोधन कर इन्हें अधिक उपयोगी बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, भारी ट्रैफिक वाले मार्गों पर नए रनिंग रूम स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे रनिंग स्टाफ को विश्राम के लिए पर्याप्त समय मिल सके और उनकी कार्य अवधि में भी संतुलन बना रहे।वर्तमान तकनीकी प्रगति के अनुरूप, फॉग सेफ्टी उपकरण, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम, कवच तकनीक और उन्नत ब्रेकिंग सिस्टम जैसी सुविधाओं से लोको पायलटों को कोहरे या विषम परिस्थितियों में भी सुरक्षित संचालन में सहायता मिल रही है। इसके अलावा, ऑनबोर्ड सुविधाओं, वॉकी-टॉकी संचार व्यवस्था और स्टेशनों पर नाश्ते तथा टॉयलेट ब्रेक की सहूलियत ने लोको पायलटों की कार्य संतुष्टि में वृद्धि की है।विभिन्न श्रेणियों की ट्रेनों – जैसे मालगाड़ी, पैसेंजर, मेल/एक्सप्रेस एवं मेट्रो/सबअर्बन सेवाओं – में कार्यरत लोको पायलटों को शेड्यूल के अनुसार विश्राम और सुविधा का ध्यान रखा जाता है। स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव के समय वे शौचालय एवं नाश्ते की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं और इस दौरान स्टेशन स्टाफ भी पूरा सहयोग प्रदान करता है।

1942 में ब्रिटिश सरकार ने किया था बेदखल, 83 साल बाद केस पर फैसला करेगा बॉम्बे हाई कोर्ट

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने 29 लोगों की पुनर्वास याचिका पर सुनवाई की
- 1942 से बेदखल निवासी अब तक घरों के लिए तरस रहे हैं
- अगली सुनवाई 23 अप्रैल 2025 को होगी, जल्द न्याय की उम्मीद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : आठ दशक से भी ज्यादा समय से अपनी जमीन से बेदखल होने का दर्द झेल रहे 29 लोगों की पीड़ा पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने उम्मीद का मरहम लगाया है। मामला महाराष्ट्र के पुणे जिले के कोपरे गांव के निवासियों के पुनर्वास से संबंधित है, जिन्हें 1942 में ब्रिटिश सरकार द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के समय दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया था। उनकी भूमि अधिग्रहीत कर ली गई थी।28 अगस्त 1951 को भूमि ग्रहण कानून के अंतर्गत गांव वालों की जमीन नेशनल डिफेंस एकेडमी के लिए अधिग्रहीत कर ली गई। प्रभावितों के पुनर्वास के लिए सरकार की ओर से जमीन आवंटित की गई थी।

बिल्डर ने बनाए कम घरआवंटित जमीन पर डिवेलपर द्वारा बनाई जाने वाली इमारत में 235 लोगों को घर मिलने थे, लेकिन अब तक 206 लोगों को ही घर मिले हैं। घर न मिलने से परेशान कई लोगों ने राहत के लिए 2018 में बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। तब कोर्ट ने मार्च 2018 में अंतरिम राहत के तौर पर डिवेलपर को बिल्डिंग में किसी तीसरे पक्ष को घर बेचने से रोक दिया था।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने क्या कहा

हाल ही में चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस एम.एस कर्णिक की बेंच के सामने पुनर्वास से संबंधित कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। बेंच ने कहा कि पुनर्वास के लाभार्थियों को अब तक पुनर्वास का लाभ नहीं मिला है, इसलिए मामले में जारी अंतरिम आदेश को यथावत रखा जाता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने डिवेलपर से पूछा कि वे निर्माण कार्य कब तक पूरा करेंगे ।

ट्यूमर | 67 वर्षीय योगेश मेहता के दिल में मायक्सोमा ट्यूमर मिला

10 लाख में एक केस, मुंबई के डोंबिविली में रहनेवाले शख्स के दिल से निकला संतरे जैसा ट्यूमर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

- सर्जरी में 5 घंटे लगे, डॉक्टरों ने ट्यूमर और ब्लॉकेज हटा
- मेहता के परिवार को दिल की बीमारी की जानकारी नहीं थी

मुंबई : दिल में ट्यूमर होना बहुत ही कम होता है। दस लाख लोगों में से एक को भी ये बीमारी नहीं होती। डोंबिवली में रहने वाले 67 साल के योगेश मेहता के दिल में मायक्सोमा नाम का ट्यूमर था। यह ट्यूमर खतरनाक नहीं था, लेकिन उनके दिल की एक मुख्य धमनी में ब्लॉकेज भी था। हार्ट सर्जन डॉ. बिजॉय कुट्टी ने मेहता का ऑपरेशन किया।डॉ. बिजॉय ने बताया कि यह बहुत ही कम होता है कि किसी को राइट एट्रियल मायक्सोमा हो और साथ ही दिल की बीमारी भी हो। उन्होंने कहा कि मेहता को एक साथ दो परेशानियां थीं।

अचानक पड़े बीमार

मेहता पहले महाराष्ट्र में हार्डवेयर का बिजनेस करते थे। उन्हें कुछ ऐसे लक्षण हो रहे थे जो दिल की बीमारी जैसे नहीं लग रहे थे। उन्हें दस्त और कमजोरी हो रही थी, इसलिए डॉक्टरों ने उनके पेट की जांच की।

संतरे के आकार को था ट्यूमर

एक और अजीब बात ये थी कि जब वो बिस्तर पर लेटते थे तो उन्हें सांस लेने में दिक्कत होती थी या वो बेहोश हो जाते थे। लेकिन इसे भी किसी ने दिल की बीमारी नहीं समझा। डॉ. कुट्टी ने कहा कि मेहता ने पिछले दो महीनों में कई डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन किसी ने भी इन लक्षणों को नहीं समझा। बाद में पता चला कि ट्यूमर इतना बड़ा हो गया था कि उसने उनके दिल और खून की नसों पर दबाव डालना शुरू कर दिया था, इससे खून का दौरा ठीक से नहीं हो रहा था और उन्हें चक्कर आ रहे थे। डॉक्टर ने बताया कि जब उन्होंने ट्यूमर निकाला तो वो एक छोटे संतरे के आकार का था।

अचानक बाथरूम में गिरे

मेहता की पत्नी, तृप्ति ने बताया कि उन्हें कई सालों से डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर था। लेकिन उनके परिवार को दिल की बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। 23 मार्च को वह बाथरूम में गिर गए थे। तृप्ति ने कहा कि उन्हें होश में लाने में हमें थोड़ा समय लगा। उनके बेटे, पारस उन्हें पास के ओम हॉस्पिटल ले गए वहां से उन्हें डोंबिवली के प्राइवेट हॉस्पिटल में भेजा गया।

पांच घंटे चला ऑपरेशन

डॉ. कुट्टी ने मेहता की जांच की। उन्होंने स्कैन में ट्यूमर और ब्लॉकेज दोनों देखे। उन्होंने परिवार से कहा कि वह उन्हें मुलुंड के बड़े हॉस्पिटल ले जाएं। 26 मार्च को मेहता का ऑपरेशन हुआ। डॉक्टरों ने ट्यूमर और ब्लॉकेज दोनों को हटा दिया। यह ऑपरेशन पांच घंटे तक चला। डॉक्टरों ने कहा कि ट्यूमर दोबारा नहीं होगा।

नली हो सकती थी ब्लॉक

दिल के ट्यूमर में सबसे बड़ी चिंता ये होती है कि ट्यूमर का एक टुकड़ा टूटकर खून में जा सकता है। इससे खून की नली ब्लॉक हो सकती है और स्ट्रोक या दूसरी दिक्कतें हो सकती हैं। इसे एम्बोलिजेशन कहते हैं। मेहता के तीन बेटे हैं। वे खुश हैं कि उनके पिता को दूसरी जिंदगी मिली है।

यूपी के आगरा से मुंबई आई नाबालिग लड़की लोकमान्य तिलक टर्मिनस से लापता, खोजने में जुटी पुलिस

- 6 साल की लड़की लश्कर एक्सप्रेस से मुंबई पहुंची
- पिता ने मुंबई पुलिस से बेटी की तलाश में मदद मांगी है
- पुलिस सीसीटीवी फुटेज और कॉल रिकॉर्ड खंगाल रही

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : कुर्ला स्थित लोकमान्य टिलक टर्मिनस (एलटीटी) से एक 16 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। यह लड़की उत्तर प्रदेश के आगरा से लश्कर एक्सप्रेस ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंची थी। उसके बाद से वह लापता है। लड़की के पिता ने मुंबई पुलिस से मदद मांगी है। परिजनों के अनुसार, नाबालिग 12 अप्रैल को आगरा रेलवे स्टेशन से लश्कर एक्सप्रेस में सवार हुई थी। ट्रेन 13 अप्रैल को तड़के 4:40 बजे एलटीटी पहुंची। सीसीटीवी फुटेज में उसे प्लेटफार्म नंबर एक से एक अनजान युवक के साथ स्टेशन के बाहर निकलते देखा गया है।लड़की के पिता ने मुंबई पुलिस से संपर्क कर अपनी बेटी की तस्वीर दी है और उसकी तलाश में मदद की अपील की है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने घर पर बिना बताए यह सफर किया और अचानक गायब हो गई। उनका कहना है कि बेटी के लापता होने के पीछे किसी अनजान व्यक्ति का हाथ हो सकता है। मुंबई पुलिस के डीसीपी के मुताबिक, एलटीटी स्टेशन के आसपास के अन्य सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।उधर, आगरा पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज कर ली है। आगरा पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मोबाइल कॉल रिकॉर्ड के जरिए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि लड़की की नियमित बातचीत किन लोगों से होती थी, जिससे उसकी मनःस्थिति और मंशा को समझा जा सके।

कार-बाइक की सीधी टक्कर

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की मौत, दो लोग गंभीर घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर, गोला थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हरपुर चीनी मिल चौकी के पास तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में एक शिक्षक की मौत हो गई। प्राथमिक विद्यालय विशुनपुर राजा में कार्यरत शिक्षक सुशील सिंह (52) और उनके साथी आनंद सिंह (48) बाइक से चाय पीकर घर लौट रहे थे। चौकी से करीब 200 मीटर आगे सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक और कार दोनों क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में दोनों बाइक सवार सड़क के बाईं तरफ जा गिरे। कार भी दाईं तरफ गड्ढे में जा गिरी। घायलों को तुरंत उरूवा सीएचसी ले जाया गया। गंभीर हालत के चलते उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां शिक्षक सुशील सिंह को मृत घोषित कर दिया गया। कार चालक विनोद कुमार दूबे और आनंद सिंह का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मृतक शिक्षक के दो पुत्र हैं, जिनकी उम्र 21 और 23 वर्ष है। वहीं घायल आनंद सिंह किसान हैं और उनके एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। चौकी प्रभारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि कार आजाद नगर पचपेड़वा गोरखपुर निवासी विनोद कुमार दूबे के नाम पर है। पुलिस को अभी तक मृतक के परिजनों की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शराब तस्कर अजीत हत्याकांड में एसपी सख्त

8 आरोपी गिरफ्तार, अन्य संदिग्धों की तलाश जारी; पुलिस ने जनता से मांगी मदद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

देवरिया, ग्राम प्रधान अजीत सिंह हत्याकांड की समीक्षाः रढ विक्रान्त वीर ने खुद की निगरानी, 8 आरोपी अब तक गिरफ्तार बनकटा, श्रीरामपुर, खामपार और भाटपार रानी पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन, आमजन से सूचना देने की अपील देवरिया में पिछले साल दीपावली के दिन हुए ग्राम प्रधान और कुख्यात शराब तस्कर अजीत सिंह हत्याकांड की जांच अब रफ्तार पकड़ रही है। रविवार को पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने थाना बनकटा में मामले की गहन समीक्षा की और हत्या से जुड़े संभावित आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी सलेमपुर दीपक कुमार शुक्ल और क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी शिवप्रताप सिंह भी मौजूद रहे। चार थानों – बनकटा, श्रीरामपुर, खामपार और भाटपार रानी – की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। गांव-गांव तलाशी, आमजन से संवाद एसपी विक्रान्त वीर ने तलाशी अभियान के दौरान आमजन से संवाद स्थापित किया। उन्होंने अपील की कि यदि किसी को भी आरोपियों के बारे में कोई जानकारी हो तो पुलिस को बताएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। बीते साल दीपावली पर हुई थी हत्या 31 अक्टूबर 2024 को दीपावली के दिन ग्राम जंजीरहा निवासी अजीत सिंह उर्फ जड़ी पुत्र ध्रुवजी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के संबंध में मृतक के पिता ध्रुवजी सिंह ने थाना बनकटा में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस जांच में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इनकी पहचान प्रदीप मद्धेशिया पुत्र रामउदय मद्धेशिया, दीपक मद्धेशिया उर्फ टमाटर पुत्र दुर्गा मद्धेशिया, पंकज जायसवाल पुत्र स्व. झुम्मन जायसवाल, राकेश कुशवाहा पुत्र चंद्रेश्वर कुशवाहा, अखिलेश उर्फ दरोगा कुशवाहा पुत्र हरिश्चंद्र कुशवाहा, राजू चौरसिया पुत्र रामजी चौरसिया (सभी निवासी सोहनपुर), प्रमोद सिंह पुत्र परमानंद सिंह (निवासी अहिरौली बघेल), अंकित गौड़ पुत्र रघुनाथ गौड़ (निवासी सोहनपुर) के रूप में हुई है। पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। एसपी देवरिया विक्रान्त वीर ने कहा-जांच पूरी गंभीरता से चल रही है। जल्द ही फरार अभियुक्त भी सलाखों के पीछे होंगे। आमजन से अपील है कि निष्पक्ष जांच में सहयोग करें।

फास्ट ट्रैक

गोवंश-आश्रय स्थल के उद्घाटन के बाद सांसद ने की गोसेवा

इंटरलॉकिंग सड़क का किया लोकार्पण, बोले- सरकार के कार्य जनता सराहा रही

शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में तिलहर विधानसभा के समधाना गांव में एक नए अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल और इंटरलॉकिंग सड़क का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा सांसद अरुण सागर ने न केवल फीता काटा बल्कि गोसेवा भी की। सांसद ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार बेसहारा गोवंश के लिए विशेष बजट आवंटित कर रही है। उन्होंने कहा कि कान्हा गोशाला और काजी हाउस जैसी मौजूदा गौशालाओं के अलावा, नए वृहद गोशाला संरक्षण केंद्र भी बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत पशुपालकों को गोशालाओं से गोवंश दिए जाएंगे। सरकार ने गायों के रखरखाव के लिए दैनिक भत्ता 30 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए कर दिया है। सड़क सुरक्षा के लिए हाईवे के पास के गांवों में आवारा पशुओं के गले में रेडियम प्लेट लगाई जाएगी। सांड से होने वाली दुर्घटना में मृत्यु पर सरकार 4 लाख रुपए की सहायता प्रदान करती है। शाहजहांपुर में कई नई गोशालाएं बनाई गई हैं और कुछ निर्माणाधीन हैं। सांसद ने कहा कि प्रदेश में अब तक कुल 7,713 गोशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की इन पहलों को जनता का समर्थन मिल रहा है।

ट्रेन की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

शाहजहांपुर में बंद रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहा था युवक

शाहजहांपुर, एक दुखद घटना सामने आई है। थाना कटरा क्षेत्र के भुड़िया गांव के 22 वर्षीय ब्रजेश की रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से टकराने के कारण मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब ब्रजेश बाइक से कस्बे की ओर जा रहे थे। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के बावजूद उन्होंने बाइक को झुकाकर पार करने का प्रयास किया। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत जीआरपी कटरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल ब्रजेश को सीएचसी कटरा में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

पेड़ से लटकी मिली अधेड़ की लाश

बेटों से विवाद के बाद हुई घटना, पुलिस कर रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर, पेड़ से अधेड़ की लाश लटकती मिली। मृतक की पहचान सहजनवा इलाके के तिवरान गांव के रहने वाले 58 साल के रामबृक्ष के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस और घघसरा चौकी प्रभारी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, लेकिन कुछ बिंदुओं पर पुलिस को संदेह है, जिसको लेकर जांच की जा रही है। दरअसल, रामबृक्ष शनिवार शाम रोज की तरह खेत से घर लौटे थे। घर पर किसी बात को लेकर बेटों से कहासुनी हुई थी। इसके बाद वे खेत में बने अपने टिन शेड में सोने चले गए। उनकी लाश गांव के पूरब दिशा में एक सहिजन के पेड़ से लटकती मिली। रामबृक्ष का रोज का ठिकाना खेत में बना टिन शेड था, जहां वे अकेले रहते थे। ऐसे में उनकी लाश गांव के बाहर पेड़ पर कैसे और कब पहुंची–इसको लेकर गांव में कई तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग इसे आत्महत्या मान रहे हैं तो कुछ को मामला संदिग्ध लग रहा है। रामबृक्ष के परिवार में चार बेटे–राकेश, सत्यकेश, हरिकेश और महेश हैं।

सभी अलग-अलग कामधंधे में लगे हैं। उनकी पत्नी का निधन पहले ही हो चुका है। बेटा हरिकेश लकड़ी कटाने का काम करता है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस का कहना है कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उल्हासनगर मनपा ने जलकुंभी निकाले जाने तक उल्हास नदी का पानी उबालकर पीने का आदेश जारी किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हास नदी से जलकुंभी को हटाने का कार्य चल रहा है। उल्हासनगर मनपा द्वारा पत्र और मुनादी द्वारा जनता से अपील की जा रही है कि उल्हास नदी से जलकुंभी हटाने के कारण घरों में पीला व बदबूदार पानी आ सकता है।

वाटर प्लांट में जलकुंभी की जड़ से गाद निकलने के कारण नदी का पानी पीला आ रहा है और शहाड़ स्थित नगर निगम के जल शुद्धिकरण केंद्र में क्लोरीन की अधिक मात्रा के प्रयोग के कारण पानी पीला आ सकता है। अतः नागरिकों से अनुरोध किया जा रहा है कि अपने अपने घरों में पानी को उबालकर इस्तेमाल करें।

व्यापार मंडल का विस्तार

गंगा प्रसाद गुप्ता को अध्यक्ष, आशीष कुमार साहू को महामंत्री किया नियुक्ति

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष बसंत सिंह बग्गा की अध्यक्षता में जगतपुर व्यापार मंडल का गठन हुआ। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने मंच संचालन किया। नवगठित व्यापार मंडल में गंगा प्रसाद गुप्ता को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पदम कुमार अग्रहरी को उपाध्यक्ष बनाया गया। आशीष कुमार साहू को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। विजय प्रकाश गुप्ता को कोषाध्यक्ष और शशांक त्रिवेदी को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कोयला निमार्ता संघ रायबरेली के अध्यक्ष सरयू प्रसाद सोनकर और ऊंचाहार व्यापार मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार मौर्या ने मंच संचालन में योगदान दिया। सूची व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष एवं प्रांतीय सदस्य सतीश अग्रहरि और दिनेश शंकर शुक्ला समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या

शाहजहांपुर में बाग से बेहोश मिला, दो दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना पुवायां क्षेत्र में एक सुसाइड की घटना सामने आई है। टकेली गांव के 25 वर्षीय मजदूर अजीत कुमार ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। अजीत घर से निकला और गांव में ही जहर खा लिया। शाम को वह गांव के एक बाग में बेहोश मिला। ग्रामीणों ने परिवार को सूचना दी। परिजन उसे तुरंत सीएचसी पुवायां ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। दो दिन के इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। अजीत मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का खर्च चलाता था। परिजनों का कहना है कि उसका किसी से कोई विवाद नहीं था। परिवार के लोगों ने बताया कि अगर अजीत को कोई परेशानी होती तो वह उन्हें बता सकता था। उसकी मौत से परिवार में मातम छा गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

पत्नी और बेटी पर सोते वक्त तेजाब फेंका

शाहजहांपुर में दीवार फांदकर घर में घुसा, अवैध संबंध के शक में वारदात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, अवैध संबंध के शक में एक व्यक्ति ने पत्नी और दो बेटियों पर तेजाब फेंक दिया। मां-बेटियों बुरी तरह से झुलस गईं। तीनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही तेजाब बेचने वाले दुकानदार को भी गिरफ्तार किया गया है। एसपी राजे द्विवेदी ने कहा कि जल्द ही मामले की सीडीआर निकलवाई जाएगी घटना में शामिल सभी लोगों पर कार्रवाई की तैयारी है। दरअसल, आरोपी पति नशे का आदी है। इसके चलते 14 साल से परिवार उससे अलग रह रहा था। शराब पीकर पहुंचा। परिवार ने गेट नहीं खोला तो दीवार फांदकर घर में घुसा और अंदर सो रही पत्नी और दो बेटियों पर तेजाब फेंककर फरार हो गया। घटना निगोही थाना के टिकरी गांव की है। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने पिता और मामा के खिलाफ ऋकफ दर्ज की। युवक ने बताया- पिता और मामा ने साथ मिलकर एसिड अटैक किया है। मूलरूप से हरदोई के शाहबाद कस्बे का निवासी राम गोपाल (50), अपनी पत्नी रामगुनी (46), बेटे आशु (19) और दो बेटियों नेहा (22) और रुचिता (16) के साथ रहता था। बेटे आशू ने बताया कि पिता राम गोपाल शराब पीकर मां और हम लोगों को पीटते थे। इसके चलते 14 साल पहले मां हम लोगों को लेकर मौसी के यहां शाहजहांपुर के टिकरी गांव में आ गई। यहीं पर किराए पर मकान लेकर रहने लगी। कुछ साल बाद मैं घर से ट्रैक्टर ले आया। इसी ट्रैक्टर को चलाकर परिवार का भरण पोषण करता हूं। आशु ने पुलिस की दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार रात मैं गिरगिचा गांव स्थित अपने दोस्त रंजीत के घर गया। इसी दौरान रात 12 बजे पिता रामगोपाल और मामा गुड्डू दीवार फांदकर घर में घुस गए। घर में मां और दोनों बहनें सो रही थीं। पिता ने तीनों के चेहरे पर तेजाब फेंक दिया। तेजाब की जलन से मां और दोनों बहनें चीखने लगीं। आसपास के लोग आवाज सुनकर पहुंचे तो दोनों लोग दीवार फांदकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर मैं घर पहुंचा तो मां और दोनों बहनें बुरी तरह झुलस चुकी थीं। मैंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर टिकरी चौकी प्रभारी पहुंचे। मां और दोनों बहनों को जिला अस्पताल लेकर गए। जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

800 ग्राम अफीम के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

नहर पुलिया से पकड़े गए आरोपी, ट्रक ड्राइवरों को बेचने की थी योजना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, मीरानपुर कटरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 800 ग्राम अफीम बरामद की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने खंडसार गांव की नहर पुलिया से इन तस्करों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में थाना गढ़िया रंगीन के अनिल पुत्र विजयवीर, थाना तिलहर के मोहल्ला काकड़ निवासी अरसान पुत्र असलम शामिल हैं। इसके अलावा थाना गढ़िया रंगीन के राकेश उर्फ नन्हे पुत्र बाबू सिंह, धर्मेंद्र पुत्र स्वर्गीय हेमराज और हेमराज पुत्र ज्ञानवीर सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह अफीम उन्हें बरेली के मोहन और मीरानपुर कटरा के इलियास ने बेचने के लिए दी थी। आरोपियों की योजना इस अफीम को नेशनल हाईवे पर चलने वाले ट्रक ड्राइवरों को ऊंचे दाम पर बेचकर मुनाफा कमाने की थी। थानाध्यक्ष जुगल किशोर पाल ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

मजदूर ने फांसी लगाकर दी जान

पिता बोले- एक्सीडेंट में तीन जगह से कमर टूट गई थी, जिसके बाद बीमार था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना रोजा क्षेत्र में एक घटना सामने आई है। हथौड़िया गांव में 24 वर्षीय युवक ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रमेश के रूप में हुई है। रमेश एक साल पहले तक मजदूरी करके अपने पिता और सात भाई-बहनों की मदद करता था। पिछले साल ई-रिक्शा में सफर के दौरान हुए एक्सीडेंट में उसकी कमर तीन जगह से टूट गई थी। परिवार ने उसके इलाज के लिए कई जगह प्रयास किए, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। बीमारी के कारण रमेश ठीक से चल नहीं पाता था। वह अधिकतर समय अपने कमरे में बिताता था। स्वास्थ्य में सुधार न होने से वह डिप्रेशन में चला गया था। रविवार रात को उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया और साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों ने आवाज लगाई। कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा और शव को फंदे से उतारा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आरोपी दामाद की जमानत रुकवाने जा रहे व्यक्ति की मौत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, बदायूं के रसूलपुर गांव निवासी कैलाश का शव शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में मिला है। कैलाश अपनी बेटी की हत्या के आरोपी दामाद की जमानत रुकवाने के लिए वकील के साथ प्रयागराज जा रहे थे। उन्होंने अपने भाई से आखिरी बार बात की और शाहजहांपुर में होने की जानकारी दी। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। परिवार ने बिनावर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शाहजहांपुर पुलिस ने कैलाश को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार का कहना है कि सात महीने पहले कैलाश की बेटी की उसके पति और ससुराल वालों ने हत्या कर दी थी। इस मामले में आरोपी दामाद जेल में है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बेटी के ससुराल वालों ने कैलाश की हत्या की है। कैलाश के पास उनका मोबाइल भी नही मिला है। उन्होंने न्याय की मांग की है। परिजनों ने बताया कि कैलाश मेहनत मजदूरी कर बेटी और पत्नी का खर्च उठाते थे।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

बांग्लादेश ने इंटरपोल से हसीना के खिलाफ रेड-कॉर्नर नोटिस मांगा

9 महीने से भारत में रह रहीं पूर्व पीएम, तख्तापलट के बाद देश छोड़ा

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश पुलिस ने इंटरपोल से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की है। हसीना के अलावा 11 अन्य लोगों के खिलाफ भी ऐसी ही मांग की गई है। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में हुए तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख हसीना, उनके पूर्व मंत्रियों, सलाहकारों और अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के आरोप थे। इंटरपोल का रेड नोटिस किसी व्यक्ति को ढूंढ़ने और उसे प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई से पहले अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में मदद करता है। शेख हसीना ने 8 अप्रैल को सोशल मीडिया पर बात करते हुए कहा था कि पहले बांग्लादेश को विकास के मॉडल के तौर पर देखा जाता था, लेकिन अब ये आतंकी देश बन गया है। हमारे नेता और कार्यकताओं को जिस

तरीके से मारा जा रहा है, उसे बताया भी नहीं जा सकता है। अवामी लीग, पुलिस, वकील, पत्रकार, कलाकार सभी को मारा जा रहा है। हसीना ने कहा कि अब तो इस देश में मीडिया को भी काम नहीं करने दिया जा रहा है। रेप, मर्डर, डकैती किसी चीज की रिपोर्ट नहीं कराई जा रहा है। और अगर इसे रिपोर्ट किया जाता है, तो उस टीवी चैनल या अखबार को टारगेट किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ह्यअल्लाह ने मुझे किसी मकसद से जिंदा रखा है। मैं वापस लौटूंगी। वो दिन जरूर आएगा जब अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाने वालों को इंसाफ के कठघरे में लाया जाएगा। शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत आ गई थीं। उनके खिलाफ देशभर में छात्रों ने प्रदर्शन किए थे। दरअसल बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। लेकिन इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए थे। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। हसीना के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन किया गया था। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। वहीं, बांग्लादेशी सरकार ने चेतावनी दी है कि भारत में रहते हुए हसीना की तरफ से दिए जा रहे बयान दोनों देशों के संबंध बिगाड़ रहे हैं। बांग्लादेश सरकार ने जुलाई में हुई हत्याओं की वजह से शेख हसीना का पासपोर्ट भी रद्द कर दिया है। वहीं बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। ट्रिब्यूनल ने हसीना को 12 फरवरी तक पेश होने का निर्देश दिया है। बांग्लादेश भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की अपील भी कर चुका है। हालांकि, भारत सरकार उनका वीजा बढ़ा चुकी है, जिससे यह साफ हो गया कि उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट नहीं किया जाएगा।

अमेरिका में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास घेरा

सभी 50 राज्यों में प्रदर्शन, पोस्टर में लिखा- ट्रम्प को अल सल्वाडोर जेल भेजें

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब '50 विरोध

प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन' है। प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूम का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे। राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाली चीजों के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है। अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45% अमेरिकी वोटर्स ट्रम्प के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के शुरूआती 3 महीनों में 41% वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे। हालांकि यह बाकी राष्ट्रपतियों की तुलना में बेहद कम है। 1952 से 2020 के बीच सभी राष्ट्रपति की पहली तिमाही की औसत रेटिंग 60% है।

इसकी तुलना में ट्रम्प की रेटिंग कम दिख रही है। एजेंसी के मुताबिक ट्रम्प के पदभार संभालने के वक्त उनकी रेटिंग 47% थी। इसमें भी गिरावट दर्ज हुई है।

पाकिस्तान में कुलभूषण ऊंची अदालत में अपील नहीं कर सकेंगे

सिर्फ कॉन्सुलर मदद मुहैया कराई; जासूसी के आरोप में जाधव 9 साल से जेल में बंद

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को ऊपरी अदालत में अपील करने का अधिकार नहीं दिया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी। दरअसल पाक सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के समर्थकों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में सुनवाई चल रही थी। इस दौरान कोर्ट ने वकील से पूछा कि क्या कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार मिला था और अगर मिला था तो पाकिस्तान के नागरिकों को यह अधिकार क्यों नहीं? इस पर रक्षा मंत्रालय के वकील ने कहा कि जाधव को अपील का कोई अधिकार नहीं मिला था। जाधव 2016 से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। पाकिस्तान ने उन पर जासूसी करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जाधव को 2019 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के फैसले के बाद सिर्फ कॉन्सुलर एक्सेस दिया गया था। कॉन्सुलर एक्सेस का प्रावधान होने पर आरोपी को हाई कमीशन के जरिए मदद मिलती है। पाकिस्तान का दावा- जाधव को बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया पाकिस्तानी सेना ने 3 मार्च 2016 को बताया था कि उसने कुलभूषण जाधव को बलूचिस्तान प्रांत से गिरफ्तार किया था। पाकिस्तान ने

कुलभूषण पर जासूसी और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें जाधव ने कथित तौर पर स्वीकार किया था कि वह भारतीय खुफिया एजेंसी फअह के लिए काम कर रहे थे और बलूचिस्तान और कराची में अस्थिरता फैलाने में शामिल थे। हालांकि, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि ये जबरन लिया गया बयान है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने जाधव को ईरान से अगवा किया। जाधव रिटायरमेंट के बाद ईरान में बिजनेस कर रहे थे। कुलभूषण जाधव को अगवा कराने में मदद करने वाले मुफ्ती शाह मीर की पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मारा जा चुका है। उसे मार्च में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी। मुफ्ती मीर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा करने में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद की थी। शुक्रवार रात को नमाज के बाद वह मस्जिद से बाहर निकल रहा था। तभी बाइक सवार हमलावरों ने घात लगाकर उस पर हमला कर दिया और कई गोली मारी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ह्यूमन ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी) और हथियारों की तस्करी में शामिल मुफ्ती मीर इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम का मेंबर था।

चीन में रोबोट्स ने 21 केएम तक इंसानों से रेस लगाई

सबसे तेज दौड़ा रोबोट भी 1.30 घंटा पीछे रहा; दुनिया की पहली इंसान-रोबोट हाफ मैराथन

एजेंसी

बीजिंग, चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार को इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर (13 मील) की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। ये इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है। इसका मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप

और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे। बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमन रोबोटिक्स के रोबोट 'तियांगोंग अल्ट्रा' ने मशीनों में सबसे पहले 2 घंटे 40 मिनट में इस रेस को पूरा किया, जबकि इंसानी विजेता ने रेस पूरी करने के लिए 1 घंटे 2 मिनट का टाइम लिया। सबसे कम वक्त में 21 किमी की मैराथन पूरी करने का रिकॉर्ड जैकब किप्लिमो (56 मिनट 42 सेकेंड) के नाम है। रेस के दौरान जिस तरह इंसानों को बीच में पानी पीने की जरूरत पड़ती है उसी तरह रोबोट्स को बैटरियां बदलने की परमिशन दी गई थी। रोबोट के साथ इंसानी ट्रेनर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान मशीनों को सहारा भी दिया। कुछ रोबोट्स ने रनिंग शूज पहने थे, एक ने बॉक्सिंग ग्लव्स पहने थे और दूसरे ने लाल रंग का हेंड-बैंड पहना था जिस पर चीनी भाषा में बाउण्ड टू विन (जीतने के लिए तैयार) लिखा था। रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नोलॉजी अफसर तांग जियान ने कहा कि 'तियांगोंग अल्ट्रा' को रेस के दौरान लंबी टांगों और एक एल्गोरिथ्म की मदद मिली। इस वजह से यह इंसानों की तरह मैराथन दौड़ पाया। चीन ने बीते कुछ सालों में रोबोटिक्स में तेजी से तरक्की करके जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ दिया है।

जेनसोल के पुणे ईवी संयंत्र में कोई विनिर्माण नहीं हो रहा था, सिर्फ दो-तीन मजदूर मौजूद थे : सेबी

एजेंसी

सेबी ने 15 अप्रैल को जारी अपने अंतरिम आदेश में कहा, इसलिए, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि संयंत्र स्थल पर कोई विनिर्माण गतिविधि नहीं हुई है, जो कि पट्टे पर दी गई संपत्ति है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि जब नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एक अधिकारी ने पुणे स्थित जेनसोल इंजीनियरिंग के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) संयंत्र का दौरा किया तो उसे कोई विनिर्माण गतिविधि देखने नहीं मिली और वहां केवल दो-तीन मजदूर मौजूद थे।ये खुलासे जून, 2024 में प्राप्त एक शिकायत के बाद 15 अप्रैल को जारी किए गए बाजार नियामक सेबी के अंतरिम आदेश का हिस्सा थे, जिसमें जेनसोल के शेयर मूल्य में हेरफेर और धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था।अपने आदेश में, सेबी ने भाइयों- अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी द्वारा प्रवर्तित कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग द्वारा निवेशकों के लिए विसंगतियों के साथ-साथ भ्रामक खुलासे भी पाए।एनएसई द्वारा की गई जांच से एक खुलासा हुआ, जिसमें पुणे के चाकन में जेनसोल के ईवी संयंत्र - जेनसोल इलेक्ट्रिक व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड में विनिर्माण गतिविधियों में कमी का पता चला। नौ अप्रैल को संयंत्र का दौरा करने के दौरान एनएसई के एक अधिकारी ने पाया कि वहां केवल दो-तीन मजदूर मौजूद थे।सेबी ने कहा, यह पाया गया कि संयंत्र में कोई विनिर्माण गतिविधि नहीं हो रही थी और केवल दो-तीन मजदूर वहां मौजूद थे। एनएसई अधिकारी ने इकाई के बिजली बिलों का विवरण मांगा और यह पाया गया कि पिछले 12 महीनों के दौरान महावितरण द्वारा बिल की गई अधिकतम राशि दिसंबर, 2024 के लिए 1,57,037.01 रुपये थी।सेबी ने 15 अप्रैल को जारी अपने अंतरिम आदेश में कहा, इसलिए, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि संयंत्र स्थल पर कोई विनिर्माण गतिविधि नहीं हुई है, जो कि पट्टे पर दी गई संपत्ति है।यह दौरा 28 जनवरी, 2025 को जेनसोल द्वारा शेयर बाजारों को दी गई घोषणा के बाद हुई, जिसमें दावा किया गया था कि उसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 में प्रदर्शित अपनी नई पेश की गई ईवी की 30,000 इकाइयों के लिए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।हालांकि, कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों की समीक्षा करने पर, सेबी ने पाया कि ये ऑर्डर 29,000 कारों के लिए नौ संस्थाओं के साथ किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) थे।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से तबाही

रामबन में बाढ़ और भूस्खलन से 3 की मौत, 100 लोगों का रेस्क्यू

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है।'

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रातभर हुई भारी बारिश के कारण अलग-अलग जगहों पर अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस आपदा ने इलाकों में भूस्खलन और ओलावृष्टि भी की, जिससे बुनियादी ढांचे और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया

है और नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है।

कई इमारतें और वाहन क्षतिग्रस्त

रामबन जिले में भारी बारिश और ओलावृष्टि के बाद भूस्खलन के कारण कई इमारतें और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, आपदा में दस घर पूरी तरह से नष्ट हो गए, जबकि 40 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस और जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में फंसे करीब 90 से 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही प्रभावित

लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का एक हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों को इस राजमार्ग से गुजरने से बचने की सलाह दी है। उप यातायात निरीक्षक जावेद कटारिया ने कहा, 'राष्ट्रीय राजमार्ग (रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर एनएच) पूरी तरह से अवरुद्ध है (भूस्खलन के कारण)। मौसम में सुधार होने तक इस राजमार्ग से गुजरने से बचें। निकासी का काम चल रहा है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि राजमार्ग शाम या कल से पहले खुलेगा क्योंकि लगातार बारिश हो रही है।'अधिकारियों ने क्या कहा ?एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है।'

एस. वाई. कुरैशी निर्वाचन आयुक्त नहीं बल्कि मुस्लिम आयुक्त थे: निशिकांत दुबे

भाजपा सांसद ने इस पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। दुबे ने कहा, आप चुनाव आयुक्त नहीं थे, आप एक मुस्लिम आयुक्त थे। आपके कार्यकाल में झारखंड के संथाल परगना में सबसे अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाया गया।

एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ टिप्पणी से हंगामा मचाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को एस. वाई. कुरैशी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह चुनाव आयुक्त नहीं बल्कि एक मुस्लिम आयुक्त थे।इससे पहले कुरैशी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम की आलोचना करते हुए इसे मुस्लिमों की भूमि हड़पने की सरकार की भयावह और बुरी योजना बताया था। कुरैशी भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं।दुबे ने एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय और भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना पर तीखा हमला बोला था और भारत में धार्मिक युद्ध के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद भाजपा ने उनकी विवादास्पद टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया। कुरैशी ने 17 अप्रैल को एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया था, वक्फ अधिनियम निस्संदेह मुस्लिमों की भूमि हड़पने के लिए सरकार की एक भयावह योजना है। मुझे यकीन है कि उच्चतम न्यायालय इस पर सवाल उठाएगा। दुष्प्रचार मशीनरी ने गलत सूचना फैलाने का अपना काम बखूबी किया है।

भाजपा सांसद ने इस पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। दुबे ने कहा, आप चुनाव आयुक्त नहीं थे

उमर अब्दुल्ला को लेकर दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट किया गया, भड़के जेके सीएम

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रात 1:08 बजे एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'दिल्ली हवाई अड्डे पर व्यवस्था बहुत खराब है। जम्मू से रवाना होने के तीन घंटे बाद हमें जयपुर की ओर ले जाया गया। इसलिए मैं रात एक बजे भी यहां हूं। मुझे नहीं पता कि हम यहां से किस समय रवाना होंगे।' उन्होंने जयपुर हवाई अड्डे पर इंडिगो के विमान की सीढ़ियों पर खड़े होकर ली गई एक तस्वीर भी साझा की।

एजेंसी

दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग की अनुमति न मिलने के कारण सीएम उमर अब्दुल्ला की फ्लाइट जयपुर डायवर्ट कर दिया गया जिससे वह नाराज हो गए.

नई दिल्लीः जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लेकर दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को शनिवार रात कथित तौर पर जयपुर डायवर्ट कर दिया गया. इसके बाद मुख्यमंत्री ने दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों के परिचालन व्यवस्था को लेकर तीखी आलोचना की.देर रात एक्स पर लिखे गए पोस्ट में अब्दुल्ला ने इस घटना पर निराशा व्यक्त की. उन्होंने पोस्ट लिखकर दिल्ली एयरपोर्ट पर कुव्यवस्था होने का आरोप लगाया. उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि विमान परिचालन को लेकर उचित व्यवस्था का आभाव दिखा. उन्होंने

आगे कहा कि जम्मू से निकलने के बाद 3 घंटे हवा में रहने के बाद हमें जयपुर भेज दिया गया. जयपुर एयरपोर्ट पर विमान के पहुंचने पर उन्होंने कटाक्ष किया. कहा कि यहां रात एक बजे विमान की सीढ़ियों पर ताजी हवा का आनंद ले रहा हूं. जयपुर से फ्लाइट के रवाना होने को लेकर भी उन्होंने निराशा जाहिर की. लिखा पता नहीं ये कब यहां से उड़ान भरेगी.जम्मू-कश्मीर के सीएम ने फ्लाइट से उतरकर पास खड़े होकर एक सेल्फी ली और इसे एक्स पर शेयर किया. लिखा कि यहां ताजी हवा ले रहा हूं. अब्दुल्ला समेत विमान में सवार यात्री आधी रात के बाद जयपुर में विमान में ही फंसे रहे. इस घटना पर इंडियो की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया. हालांकि एयरलाइंस की ओर से पहले ही विमानों के परिचालन को लेकर एक परामर्श जारी कर दी गई थी.इससे पहले जम्मू एयरपोर्ट पर भी कुछ ऐसा ही माहौल रहा. यात्रियों ने विमान सेवा में देरी को लेकर शिकायत करते नजर आए. श्रीनगर में खराब मौसम की वजह से फ्लाइट संचालन बाधित हुआ, जिससे कई कनेक्टिंग फ्लाइट प्रभावित हुई. शुक्रवार शाम को एक्स पर एक पोस्ट में इंडिगो ने एक यात्रा सलाह जारी की. एयरलाइन ने अपनी सलाह में कहा, 'श्रीनगर में मौसम की स्थिति उड़ान संचालन को प्रभावित कर रही है. एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए पहले ही खेद जारी कर दिया गया।

संक्षेप

देशी शराब पीने से दो की मौत

एक्सपायरी शराब बेचने का आरोप, पुलिस और आबकारी विभाग जांच में जुटा

बांदा, शहर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब संदिग्ध हालात में दो लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के पीली कोठी स्थित देशी शराब ठेका नंबर 01 और 02 की बताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने ठेकों पर एक्सपायरी शराब बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लंबे समय से इन दुकानों पर घटिया और खराब क्वालिटी की शराब बेची जा रही थी, जिसकी शिकायत कई बार की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए आबकारी निरीक्षक ने भी ठेका नंबर 01 और 02 का मौके पर निरीक्षण किया। दोनों दुकानों की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि जिलेभर में शराब ठेकों पर अनियमितताओं का बोलबाला है, लेकिन कार्रवाई न होने से ऐसे हादसे हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस और आबकारी विभाग की टीमें मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। मृतकों की पहचान और अन्य जरूरी जानकारी जुटाई जा रही है।

फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सड़क पर डांस

अमरोहा में युवती की हरकत से लगा लंबा जाम, पुलिस कर रही तलाश

अमरोहा, एक युवती ने सोशल मीडिया पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सड़क को डांस फ्लोर बना दिया। मुरादाबादी गेट इलाके में युवती ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई। ट्रैफिक धीमा होते ही वह सड़क के बीचोंबीच पहुंच गई और रील बनाने लगी। युवती के डांस और कैमरा मूवमेंट की वजह से सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सड़क पर डांस

अमरोहा में युवती की हरकत से लगा लंबा जाम, पुलिस कर रही तलाश

अमरोहा, एक युवती ने सोशल मीडिया पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सड़क को डांस फ्लोर बना दिया। मुरादाबादी गेट इलाके में युवती ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई। ट्रैफिक धीमा होते ही वह सड़क के बीचोंबीच पहुंच गई और रील बनाने लगी। युवती के डांस और कैमरा मूवमेंट की वजह से सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और वाहन चालकों ने उसे रोकने की कोशिश की। लेकिन वह परफेक्ट शॉट के लिए बार-बार डांस स्टेप्स दोहराती रही। एक राहगीर ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पत्नी ने पति को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

प्रयागराज में शराब पीने को लेकर हुआ विवाद, बेटे के साथ मिलकर पीटा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महिला ने पति को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला। शराब पीने पर पत्नी ने टोका तो पति झगड़ा करने लगा। पत्नी ने पास में रखी लकड़ी उठाकर पति के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह बेहोश होकर वहीं गिर गया। पास में ही 14 साल का बेटा और 16 साल की बेटी खड़ी थी। मारपीट की सूचना पर परिजन पहुंचे। तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। घटना यमनुापार के मांडा थाना क्षेत्र के मडार गांव की है। बेटी ने मां और छोटे भाई के खिलाफ ऋकफ दर्ज करवाई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में पता चला है कि पत्नी और नाबालिग बेटे ने लकड़ी के वार कर युवक की हत्या की है। आरोपी पत्नी को हिरासत में लिया गया है। मडार गांव के पूर्व प्रधान परमेश्वर पटेल का बेटा सियाराम (50) खेती करता था। शराब पीने का आदी था। इसको लेकर घर में रोजाना विवाद होता था। सियाराम अपनी पत्नी ममता, 16 साल की बेटी और 14 साल के बेटे के साथ अलग रह रहा था। उसके पिता और मां बगल के मकान में रहते हैं। उसकी एक बहन नीलम देवी है। जो अपनी ससुराल करछना में रहती है। सियाराम शराब पीकर आया। घर पर हंगामा करने लगा। पत्नी से मारपीट की। बेटा छुड़ाने आया तो उसे भी धक्का दे दिया। यह देख पत्नी ममता ने पास में पड़ी लकड़ी उठाकर पति सियाराम के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए। सियाराम वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ा। मारपीट और चीखने की आवाज सुनकर सियाराम के माता-पिता पहुंचे। देखा तो सियाराम जमीन पर मृत पड़ा था। उसके सिर से खून बह रहा था। इकलौते बेटे की खून से लथपथ लाश देखकर मां-बाप ने चीखने लगे और हंगामा कर दिया। पिता परमेश्वर पटेल ने पुलिस को सूचना दी। शरीर में मिले हैं चोट के कई निशान पुलिस पहुंची तो शव कमरे में पड़ा था। सियाराम के सिर पर खून बह रहा था। सिर और शरीर पर कई जगह घाव थे। सूचना पर ममता के मायके वाले भी पहुंच गए। पुलिस के सामने ही मायके और ससुराल वालों में विवाद हो गया। लोगों ने किसी तरह से लोगों को हटाया। सियाराम की बेटी ने पुलिस को तहरीर दी। उसने बताया कि पापा को मम्मी ममता और छोटे भाई ने मेरी आंखों के सामने डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने पत्नी ममता को हिरासत में ले लिया है। नाबालिग बेटे से भी पूछताछ कर रही है।

जीजा ने कहा- साले को उसकी पत्नी ने मार डाला मृतक के जीजा संतोष पटेल ने भी थाने में तहरीर दी है। संतोष ने कहा कि सियाराम को उसकी पत्नी ममता ने अपने भाई शिव और पिता राम लखन के साथ मिलकर पीट-पीटकर मारा है।

नकली पतंजलि टूथपेस्ट का भंडाफोड़

पान की दुकान से 7.20 लाख का नकली सामान जब्त, 12 गत्ते बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, फूलपुर कस्बे में एक पान की दुकान से बड़ी मात्रा में नकली पतंजलि टूथपेस्ट बरामद हुआ है। सर्च स्पीयर नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य जांचकर्ता शिवम पांडेय को मुखबिर से सूचना मिली थी। जांच अधिकारी शिवम पांडेय ने बताया- दुकानदार अंजनी मिश्रा लंबे समय से नकली पतंजलि टूथपेस्ट बेच रहा था। कई लोगों ने इसकी शिकायत की थी। जांच के दौरान उन्हें भी दुकान से नकली टूथपेस्ट मिला। इसके बाद फूलपुर पुलिस के साथ छापेमारी की गई।

12 गत्ते नकली टूथपेस्ट के पकड़े गए दरोगा प्रेमचंद्र कनौजिया के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में दुकान और गोदाम से पतंजलि दंतक्रांति मंजन के 12 गत्ते (प्रत्येक 100 ग्राम) बरामद किए गए। सभी टूथपेस्ट नकली पाए गए। पूछताछ में दुकानदार ने स्वीकार किया कि उसने

यह माल गोमती इंटर कॉलेज के पास स्थित एक गोदाम से खरीदा था। यह गोदाम रवि केशरखानी का बताया गया है।

कंपनी के जांच अधिकारी ने आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट और ट्रेडमार्क एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी फूलपुर प्रवीण कुमार गौतम ने बताया कि केस दर्ज किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा।

अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़

जंगल के खंडहर में चल रही फैक्ट्री से 2 गिरफ्तार, तमंचे और कारतूस बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अपराधियों के खिलाफ चल रहे धरपकड़ अभियान में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। स्वाट टीम और इन्हौना थाना पुलिस ने देर रात गंदा नाला के पास एक खंडहर में छापा मारकर अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि भारी मात्रा में हथियार, जिन्दा कारतूस और असलहा निर्माण का सामान जब्त किया गया है। दरअसल ये पूरा मामला इन्हौना थाना क्षेत्र का है जहां देर रात स्वाट टीम और इन्हौना पुलिस संदिग्धों की तलाश कर रही थी इसी बीच पुलिस को सूचना मिली गंदा नाला के पास खंडहर में अवैध असलहा बनाने की फैक्ट्री संचालित की जा रही है। मुखबिर से सूचना मिलते ही हरकत में आई स्वाट टीम और इन्हौना पुलिस ने खंडहर में छापामार अवैध असलहा बना रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। फैक्ट्री से पांच तमंचा,6 जिंदा कारतूस, भारी मात्रा में अधबने असलहे और असलहा के बनाने के उपकरण

बरामद हुए। अभियुक्तों की पहचान विजय लोहार उर्फ बिजली पुत्र कल्लू लोहार निवासी अढ़नपुर और दूसरे ने अपना नाम कल्लू लोहार पुत्र बाबू लाल निवासी अढ़नपुर के रूप में हुई। दोनो अभियुक्त पिछले कई सालों से अवैध असलहा बनाने का काम करते थे और अमेठी समेत आसपास के जिलों में बेचा करते थे।

जिला सुरक्षा संगठन ने लगाया निशुल्क मेडिकल कैंप

शुगर, बीपी और ईसीजी की जांच के साथ मुफ्त दवाएं भी बांटी गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, हसनपुर गांव में रविवार को जिला सुरक्षा संगठन द्वारा निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में मरीजों की शुगर, बीपी और ईसीजी सहित विभिन्न जांचें की गईं।

साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाएं भी मुफ्त में दी गईं। कार्यक्रम का उद्घाटन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सुल्तानपुर के चेयरमैन डॉ. डीएस मिश्रा और युग तेवर पत्रिका के संपादक कमल नयन पाण्डेय ने किया। जिला सुरक्षा संगठन के अध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने हृदय रोग से बचाव पर

विशेष जानकारी दी। उन्होंने हार्ट अटैक की स्थिति में अस्पताल पहुंचने से पहले की जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में संस्था के सचिव हाजी मोहम्मद इलियास ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में जिला सुरक्षा संगठन के संरक्षक सरदार बलदेव सिंह, लायंस क्लब इंटरनेशनल के रीजन चेयरपर्सन डॉ. अनिल पाण्डेय और मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर के डॉ. शाश्वत मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नौ कुंडीय प्रज्ञा पुराण कथा का समापन

दीप यज्ञ और पूर्णाहुति के साथ हुआ कार्यक्रम, श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जगदीशपुर के इंडोरामा कॉलोनी में आयोजित नौ कुंडीय प्रज्ञा पुराण कथा का रविवार को विधिवत समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन पूर्णाहुति और दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। कल सायंकाल में आयोजित दीप यज्ञ में कथा प्रांगण दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। इंडोरामा परिवार और क्षेत्र के लोग अपने घरों से दीप लेकर पूजा में शामिल हुए। कथा में जीवन को दीपक की तरह प्रकाशमय बनाने का संदेश दिया गया। समापन समारोह में यज्ञ के साथ शांतिकुंज टोली को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस दौरान महाभोग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन्मदिवस, नामकरण और विद्यारंभ जैसे संस्कार भी संपन्न कराए गए। कार्यक्रम में राजेंद्र शांखे, एमपी यादव, पंकज पांडेय, राकेश जैन, कौशल किशोर, प्रेम शंकर, लोकेंद्र, शैलेंद्र और सजल यादव सहित सैकड़ों महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन:80 मरीजों का मुफ्त इलाज

सीएमओ ने किया पीएचसी का निरीक्षण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जायस का औचक निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के दौरान 80 मरीजों का इलाज किया गया। साथ ही 14 मरीजों की विशेष जांच भी की गई। निरीक्षण के समय सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद मिले। इनमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सक, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन शामिल थे।

सीएमओ ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सराहा। डॉ. सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों को निर्देश

दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले हर मरीज को बेहतर सेवाएं मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को आसानी से उपलब्ध कराने का प्रयास है। इसके तहत जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में प्राथमिक इलाज और जांच की सुविधा दी जाती है।

मथुरा में दो मामलों में 8 को सजा

ट्रेन में लूट करने वालों को 4 साल की जेल, जानलेवा हमले में दो महिला सहित 4 को सजा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, वर्ष 2003 में मथुरा के थाना छाता क्षेत्र में चलती ट्रेन में हुई लूट के मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आरोपियों को दोषी माना है। रेलवे कोर्ट ने वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को चार - चार वर्ष कैद व 5-5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। आरोपियों ने जीटी एक्सप्रेस में यात्रियों से लूटपाट की थी। फरीदाबाद निवासी अरुण कनौजिया 9 फरवरी 2003 को जी टी एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे। ट्रेन जब कोसी स्टेशन से निकली तभी चार बदमाशों ने जनरल कोच में सवार यात्रियों से हथियार के बल पर लूटपाट शुरू कर दी। बदमाशों ने यात्रियों से जेवरात और अन्य सामान लूट लिया

था। ट्रेन जब छाता स्टेशन के पास पहुंची तभी बदमाश चैन पुलिंग कर ट्रेन से कूदकर भाग गए थे। इस मामले में अरुण ने जीआरपी थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कराया था। मुकद्दमा दर्ज होने के बाद राजकीय रेलवे पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए राजू उर्फ संजय पुत्र भगवत स्वरूप निवासी श्याम कॉलोनी होडल, पप्पू पुत्र गोपीनाथ निवासी मीना बाजार कोसी के अलावा विजेंद्र और विक्रम को गिरफ्तार किया था। जीआरपी ने सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किए। मुकदमे की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे की अदालत में हुई। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा की अदालत ने चारों को दोषी माना। जिसके बाद चारों आरोपियों को चार -चार वर्ष की कैद और 5-5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया।

लूट की वारदात में शामिल विक्रम की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मौत हो गई थी। जबकि पप्पू और राजू जमानत पर थे। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ सजाई वारंट बनाकर उन्हें सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया। थाना हाई वे क्षेत्र के गांव नौगांव में 14 मई 2021 को गांव के डोरीलाल के पुत्र मानवेंद्र उर्फ मानपाल पर जानलेवा हमला किया गया था। डोरीलाल ने इस मामले में गुड्डू पुत्र बिहारी लाल, रविन्द्र पुत्र गुड्डू, मोहिनी पत्नी गुड्डू और रेशमा पत्नी हिमांशु सहित 5 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल था।

जिला सुरक्षा संगठन ने लगाया निशुल्क मेडिकल कैंप

शुगर, बीपी और ईसीजी की जांच के साथ मुफ्त दवाएं भी बांटी गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, हसनपुर गांव में जिला सुरक्षा संगठन द्वारा निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में मरीजों की शुगर, बीपी और ईसीजी सहित विभिन्न जांचें की गईं। साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाएं भी मुफ्त में दी गईं। कार्यक्रम का उद्घाटन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सुल्तानपुर के चेयरमैन डॉ. डीएस मिश्रा और युग तेवर पत्रिका के संपादक कमल नयन पाण्डेय ने किया। जिला सुरक्षा संगठन के अध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने हृदय रोग से बचाव पर विशेष जानकारी दी। उन्होंने हार्ट अटैक की स्थिति में अस्पताल पहुंचने से पहले की जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में संस्था के सचिव हाजी मोहम्मद इलियास ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में जिला सुरक्षा संगठन के संरक्षक सरदार बलदेव सिंह, लायंस क्लब इंटरनेशनल के रीजन चेयरपर्सन डॉ. अनिल पाण्डेय और मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर के डॉ. शाश्वत मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

पूर्व विधायक के कार्यालय के पास मिला शव, परिजन बोले– भाई नशे का आदी था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र में पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश मिश्र मटियारी के कार्यालय के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान दून्दीपुर वार्ड नंबर 5 निवासी 40 वर्षीय चंद्र कुमार उर्फ बब्बन कोरी के रूप में की। मृतक दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहता था। वह 10 दिन पहले ही अपने गांव आया था। उसकी पत्नी विमला, बेटे अभिषेक उर्फ गोलू और रॉकी तथा बेटी शबनम दिल्ली में रह रहे हैं। मृतक के भाई दद्दन ने बताया कि चंद्र कुमार शराब का आदी था। उनका मानना है कि नशे की हालत में दुर्घटना के कारण उनकी मृत्यु हुई होगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मोहन भागवत 5 साल के बच्चे के घर पहुंचे

अलीगढ़ में गेट पर पूछा– क्या बाल स्वयंसेवक का घर यही है? मां–पिता भावुक हुए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अचानक 5 साल के स्वयंसेवक के घर पहुंच गए। गेट पर बुजुर्ग महिला से पूछा- क्या बाल स्वयंसेवक विभोर शर्मा का घर यही है? जवाब में महिला ने सिर हिलाकर हां कहा और बोली-मैं विभोर की दादी हूं। इसी बीच बाल स्वयंसेवक और उसके माता-पिता घर के बाहर आ गए। भागवत को देखकर भावुक हो गए। भागवत लगभग 1 घंटे तक विभोर के

विभोर शर्मा, बाल स्वयंसेवक

घर पर रुके। इस दौरान उन्होंने चाय पी। साथ में खजूर, नमकीन और बिस्किट भी खाया। भागवत ने विभोर से पूछा-कब स्कूल जाते हो, कब से शाखा जाते हो और शाखा में जाना क्यों अच्छा लगता है? बच्चे ने भागवत के सभी सवालों के जवाब दिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का शनिवार को अलीगढ़ में तीसरा दिन था। शनिवार सुबह उन्होंने एचबी इंटर कॉलेज में लगने वाली 'सनातन शाखा' और शाम को पंच नगरी स्थित 'भगत सिंह शाखा' में भाग लिया। यहां उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा-शाखा को नियमित करें और भविष्य की रूपरेखा बनाएं। विभोर के पिता दिवाकर शर्मा आरएसएस की शाखा में पदाधिकारी हैं। वह पेशे से एक आईटी कंपनी में इंजीनियर हैं।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० –A–544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक – अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय– 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक– डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता– आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक– माता प्रसाद शर्मा, फिल्म– संपादक–जगन्नाथ तिवारी